RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 125 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 17 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

कुबेरेश्वर धाम में दो महिला और एक बच्चे की मौत, माता-पिता के साथ महाराष्ट्र से आया था बच्चा

सीहोर। यहां के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान शुक्रवार को तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। महाराष्ट्र के जलगांव से माता-पिता बच्चे को लेकर कुबेरेश्वर धाम पहुंचे थे। इस बीच एक अन्य महिला की मौत भी जिला अस्पताल में हो गई। दो दिन के दौरान कुल दो महिलाओं समेत तीन मौतें हो चुकी हैं, जबकि 73 लोग बीमार हुए हैं। महोत्सव के पहले दिन ही गुरुवार को लाखों लोगों की भीड़ के कारण कार्यक्रम स्थल पर हालात बेकाबू हो गए थे। शुक्रवार को भी भारी भीड़ के बाद रुद्राक्ष वितरण का कार्यक्रम रोक दिया गया। जिसके बाद रुद्राक्ष लेने के लिए देशभर से आए लोग खाली हाथ लौटने लगे।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में जलगांव के विवेक विनोद भट्ट पत्नी और दो बेटों के साथ गुरुवार को आए थे। भट्ट ने बताया कि 3 साल के बेटे अमोघ भट्ट की तबीयत पहले से थोड़ी खराब थी। गाड़ी की सुविधा नहीं होने से हम पैदल ही आए। रास्ते में बच्चे की तबीयत और खराब हो गई। हम उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। शुक्रवार सुबह डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। अकोला की रहने वाली 40 वर्षीय मंगला गुरुवार शाम को चक्कर खाकर गिर पड़ी थीं। उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए थे, जहां देर रात उनकी मौत हो गई। इससे पहले गुरुवार दोपहर को भी मालेगांव की रहने वाली 50 वर्षीय मंगला बाई ने भी दम तोड़ दिया था।

भारत में ट्विटर के 3 में से 2 ऑफिस बंद, सिर्फ बेंगलुरु में होगा काम

नई दिल्ली। ट्विटर ने शुक्रवार को भारत में 3 में से 2 ऑफिस बंद करने का ऐलान किया। ये दो ऑफिस दिल्ली और मुंबई के हैं। बेंगलुरु में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ऑफिस पहले की तरह चलता रहेगा। ब्लूमबर्ग न्यूज ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें बताया गया कि जब कर्मचारी ऑफिस पहुंचे तो उन्हें घर भेज दिया गया। CNBC की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर की इंडियन टीम में अब केवल 3 इम्प्लॉइ बचे हैं। नवंबर में मस्क ने भारत में अपने 90 प्रतिशत स्टाफ को निकाल दिया था। एलन मस्क ट्विटर की फाइनेंशियल हेल्थ को सुधारने के लिए लगातार कॉस्ट कटिंग कर रहे हैं। छंटनी के साथ वो दुनियाभर में अपने ऑफिसेज को भी बंद कर रहे हैं। ट्विटर की इंडिया टीम में जो 3 कर्मचारी बचे हैं, उनमें से एक कंट्री लीड है।

छत्तीसगढ़ में हुक्का बार चलाना अवैध सरकार ने कानून में किया संसोधन

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी को देखते हुए लिया फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में हुक्का बार का संचालन अब अवैध घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाते हुये राज्य में एक स्वस्थ वातावरण के निर्माण की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम उठाया है। हुक्का बार संचालन की रोकथाम के लिए अधिनियम में संशोधन करते हुए कठोर प्रावधान किए गए हैं। संशोधित अधिनियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

बता दें प्रदेश के विभिन्न भोजनालय, होटल, रेस्टॉरेन्ट आदि सहित अन्य जगहों पर संचालित हुक्का बारों में फ्लेवरयुक्त सामग्री के अलावा तम्बाकू एवं अन्य मादक द्रव्यों के उपयोग किये जाने से युवा पीढ़ी सहित आमजन आकर्षित होकर अपने स्वास्थ्य का नुकसान करने की जानकारी मिल रही थी। इन हुक्का बारों पर प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक हो गया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस अवैध गतिविधि पर संज्ञान लेते हुये हुक्का बारों पर कठोर कार्यवाही करने तथा समस्त हुक्का बारों को बंद किये जाने के निर्देश दिये गये थे। मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में पुलिस विभाग द्वारा समस्त हुक्का बारों पर कठोर कार्यवाहियां की गई तथा प्रदेश के समस्त हुक्का बारों को बंद कराया गया।

वर्तमान परस्थिति के अनुसार संसोधन का निर्देश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा निर्देश दिया गया कि उपरोक्त अधिनियम में वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुये आवश्यक संशोधन किया जाये, ताकि युवा पीढ़ी इस प्रकार के नशे की आदि न हो सके। निर्देशों को गंभीरता से लेते हुये भारत सरकार के सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 में आवश्यक संशोधन का प्रारूप छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तैयार किया गया। अधिनियम के संशोधन प्रस्ताव को छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित किये जाने के पश्चात् सक्षम अनुमति प्राप्त की गई। छत्तीसगढ़ राज्य के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा 10 फरवरी 2023 को अधिनियम का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में किया गया।

सभी प्रकार के हुक्काबार पर रहेगा प्रतिबंध

संशोधन अधिनियम के तहत राज्य में किसी भी प्रकार के हुक्का बार के संचालन को प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही किसी भी सामुदायिक हुक्का बार में हुक्का या नरगिल के माध्यम से धुम्रपान को भी निषिद्ध किया गया है। हुक्का बार के संचालन पाये जाने पर हुक्का बार के विषय या साधन के रूप में उपयोग की जाने वाली किसी भी सामग्री या वस्तु को जप्त करने का प्रावधान किया गया है। जो कोई भी व्यक्ति हुक्का बार का संचालन करते पाया जाएगा उसके विरूद्ध गैर-जमानतीय अपराध कायम होगा तथा वह ऐसे कारावास जो कि 03 वर्ष तक का हो सकेगा, किन्तु 01 वर्ष से कम नहीं होगा और जुर्माना, जो कि 50 हजार रुपये तक व 10 हजार रुपए से कम का नहीं होगा, से दण्डनीय होगा। इसी तरह जो कोई व्यक्ति हुक्का बार में हुक्का के माध्यम से धुम्रपान करते हुये पाया जाता है तो वह ऐसे जुर्माना, जो कि 5 हजार रुपये तक हो सकेगा, किन्तु जो एक हजार रुपये से कम नहीं होगा, से दण्डित किया जाएगा। यह संशोधन अधिनियम तत्काल प्रभाव से प्रभावशील हो गया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट नवा रायपुर में एडमीशन शुरू

सरकार ने खत्म की आयू सीमा की बाध्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग के अधीन संचालित एक शासकीय होटल प्रबंधन संस्थान है । होटल प्रबंधन के विषयों पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के इच्छुक अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम एवं एकमात्र इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, केटरिंग टेक्नालॉजी एण्ड एप्लाई न्यूट्रीशन, नवा रायपुर में प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, नवा रायपुर नेशनल कॉउन्सिल फॉर होटल मैनेजमेंट एण्ड केटरिंग टेक्नालॉजी, नोएडा (उ.प्र.) से मान्यता प्राप्त होटल प्रबंध संस्थान है। इसमें होटल प्रबंधन के 03 वर्षीय पाठ्यक्रम के साथ ही 04 वर्षीय पाठ्यक्रम के विकल्प के साथ स्नातक पाठ्यक्रम संचालित है । इंस्टीट्यूट में होटल प्रबंधन के स्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही 01 वर्ष 06 माह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम (डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन फूड एण्ड बेवरेज सिर्विसेस, डिप्लोमा इन हाउसकीपिंग आपरेशन्स) संचालित किए जा रहे हैं। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी भी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा की बाध्यता नहीं है ।

उपरोक्तानुसार बीएससी डिग्री प्रदान करने के लिए इस कार्यक्रम को जेएनयू नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस कार्यक्रम के पास आउट छात्रों को जे.एन.यू. की डिग्री प्रदान की जाएगी । जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) नई दिल्ली को भारत में विश्वविद्यालय श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त है। इंस्टीट्यूट के इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करने के लिए दूरभाष नंबर 0771-2972411, 2990302 पर संपर्क एवं इस्टीट्यूट की वेबसाईट www.ihmraipur.com का अवलोकन किया जा सकता है।

आठवीं के छात्र ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी, दिनभर था स्कूल से गायब

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के एक गांव में छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र का नाम मनोज कड़ती है। जो आश्रम में रहकर कक्षा 8वीं में पढ़ाई कर रहा था। बताया जा रहा है कि, छात्र दिनभर स्कूल से गायब था। जब शाम के समय अन्य छात्र स्कूल से आश्रम पहुंचे तो उन्होंने फंदे से लटकती मनोज की लाश देखी। मामला जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, छात्र मनोज कड़ती बुरगुम के आश्रम शाला में रहकर पढ़ाई करता था। रोज की तरह गुरुवार की सुबह भी अपने साथियों के साथ स्कूल के लिए रेडी हुआ था। स्कूल भी गया था। लेकिन अचानक दोपहर बाद छात्र स्कूल से गायब जो गया। स्कूल के अन्य छात्र मनोज को यहां-वहां ढूंढते रहे। इधर, जब शाम को स्कूल की छुट्टी हुई तो छात्र आश्रम लौटे।

जहां कमरे में फंदे से लटकती लाश मिली। जिसके बाद छात्रों ने इसकी जानकारी आश्रम अधीक्षक को दी। आश्रम अधीक्षक ने सुसाइड की जानकारी पुलिस समेत विभाग के अफ्सरों को दी। मौके पर जवान और विभाग के अफ्सर पहुंचे। फंदे से शव को नीचे उतारा गया। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। इधर, अंदरूनी और नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से देर शाम तक ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई थी।

दुर्ग में बड़ा हादसा : सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकराई कार व बाइक, एक की मौत 11 घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में गुरुवार आधीरात को बड़ा हादसा हो गया। यहां के जामगांव आर थाना क्षेत्र में सगाई से लौट रहा परिवार कार के साथ सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गया। हादसा इतना जोरदार था कि मौके पर एक की मौत हो गई। यही नहीं कार के बाद बाइक सवार दो युवक भी टकरा गए। हादसे में 11 लोग घायल हैं जिन्हें दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जामुल निवासी एक परिवार सगाई कार्यक्रम में गए हुए थे और वहां से देर रात 11 बजे लौट रहे थे। करीब 10 लोग इको कार सीजी 07 सीसी 6028 से वापस लौट रहे थे। पौहा गांव के पास कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। अभी हादसा हुआ ही था कि कार के पीछे आ रहे बाइक सवार दो लोग भी ट्रक से जा टकराए। हादसे के बाद कार का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक फंस गया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गांव वालों के साथ मिलकर रेस्क्यू शुरू किया। कार चालक खोमन सिन्हा (28) बुरी तरह से फंस गया और इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत से उसका शव बाहर निकला। वहीं हादसे में सवार खोम लाल साहू (28), किशन सिन्हा (43), जीवन साहू (34), शत्रुघन साहू (45), राजाराम साहू (55), जागेश्वर साहू (17), निर्मल साहू (43), रेखलाल साहू (34) और गुलाब चंद्र (40) घायल हो गए। वहीं ट्रक से जो बाइक टकराई उसमें सवार डोमेंद्र कोसरे (16) और गोविदं सिंह (22) बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया।

सेक्टर-9 की झुग्गियों में लगी भीषण आग, दर्जनों झोपड़ियां जली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप के सेक्टर-9 स्थित बस्ती में आग लगने से दर्जनों झुग्गियां जलकर खाक हो गई। आग कैसे लगी इसका स्पष्ट कारण तो सामने नहीं आया लेकिन बताया जा रहा है कि यह हादसा शार्ट सर्किट से हुआ है। वहीं सिलेंडर ब्लास्ट होने की बात भी कही जा रही है। आग की सूचना मिलने पर फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना स्थल का एक ड्ड्रद्वस्र्द्गश्च भी सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि किस प्रकार झुग्गियां जल रही हैं। वहीं शुक्रवार को सुबह भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव व महापौर नीरज पाल भी मौके पर पहुंचे राहत कार्य शुरू करवाया।

मिली जानकारी के अनुसार झुग्गियों में आग जब लगी तो बस्ती में लोग सो रहे थे। आधीरात के बाद लगभग 2 बजे के आसपास की घटना बताई जा रही है। अग्निशमन कार्यालय को सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड को रवाना किया गया। मौके पर दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फायर फाइटरों ने सबसे पहले आग को फैलने से रोकने के लिए भरसक कोशिश की, एक टीम ने ज्वलनशील पदार्थों को आग की जद से दूर किया और दूसरी टीम ने पानी की बौछारें मार कर आग पर काबू पाया।

आग से दर्जनों से झुग्गियां जल गई है। जैसे ही आग लगी तो यहां के लोग घरों से बाहर निकल गए। इससे जनहानी तो नहीं हुई लेकिन बड़ी मात्रा में गरीब परिवारों का नुकसान हुआ है। जानकारी मिलने के बाद मौके पर विधायक देवेन्द्र यादव पहुंचे और राहत कार्य शुरू करवाया। आग पर तो काबू पा लिया गया अब नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

विवादों के बाद चीफ सेलेक्टर पद से चेतन शर्मा ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हाल ही में एक वीडियो में उन्होंने टीम इंडिया के खिलाड़ियों को लेकर कई बातें उजागर की थीं जिसपर विवाद हुआ था। शुक्रवार (17 फरवरी) को यह जानकारी आई कि चेतन शर्मा ने अपना इस्तीफा बीसीसीआई सचिव जय शाह को भेजा, उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

चेतन शर्मा 7 जनवरी 2023 को ही दोबारा बीसीसीआई के चीफ सेलेक्टर बने थे. यह उनका दूसरा कार्यकाल था, लेकिन इस बार 40 दिन में ही उनका यह कार्यकाल खत्म हो गया। कमाल की बात ये है कि चेतन शर्मा को दोनों ही कार्यकाल में पद गंवाना पड़ा है, पिछले कार्यकाल में बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप में बुरे प्रदर्शन के बाद समिति को हटा दिया था।

विवादों में थे चेतन शर्मा

बता दें कि बीते मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में वह खिलाड़ियों के चयन, तरीके और फिटनेस को लेकर कई तरह की बातें उजागर कर रहे थे। चेतन शर्मा को विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों पर आक्षेप लगाते हुए दिखाया गया है।

मुंह पे लगा ले ताला, मैं झुकेगा नहीं .....

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में चुनावी जुबानी जंग अब एक रोचक मोड़ पर पहुंच गई है. पूर्व मुख्यमंत्री जैसे ही कोई आरोप लगाते हैं सीएम पुष्पा स्टाइल में नहले पर दहला मार देते हैं। इस मामले में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री का अंदाज कुछ-कुछ पीएम मोदी से मिलता जुलता है। वे आरोप कम लगाते हैं पर जवाब इस अंदाज में देते हैं कि लोगों की हंसी छूट जाती है। इसलिए जब पूर्व सीएम ने 16 लाख गरीब बेघरों के पक्के आवास का मामला उठाया तो मुख्यमंत्री ने मुंह पे लगा ले ताला... वाला जवाब दे दिया। 16 लाख के आंकड़े की हंसी उड़ाते हुए उन्होंने पूछा कि ये आंकड़े आए कहां से। सीएए-एनआरसी के चक्कर में केन्द्र 2021 में जनगणना तो करवा नहीं पाई। तो क्या ये आंकड़े 2011 के हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक 10 वर्ष में जनगणना करवाने की जरूरत केवल लोगों की मुण्डी गिनना नहीं है। इसका एक बड़ा मकसद योजनाओं से लोगों के जीवन में आए बदलावों का आंकलन करना भी है। जनगणना के द्वारा ही यह पता चलता है कि कितने लोग गरीबी रेखा के नीचे गए और कितने ऊपर निकल आए। इसी आधार पर सरकारें योजनाएं तैयार करती हैं। एक्स-सीएम दरअसल लोगों का ध्यान प्रधानमंत्री आवास योजना के लैप्स हो गए फण्ड की तरफ आकर्षित करना चाहते थे। केन्द्र ने 2021-22 के लिए छत्तीसगढ़ को आवंटित 7,81,999 मकान बनाने का प्रोजेक्ट वापस ले लिया। इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य अपना अंशदान समय सीमा के भीतर नहीं कर पाया था। पर इसी अवधि के लिए राज्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त किये। प्रधानमंत्री आवास योजना अवार्ड 2021 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को बेस्ट कम्यूनिटी ओरिएंटेड प्रोजेक्ट्स और बेस्ट परफार्मिंग नगर पंचायत श्रेणी में पुरस्कृत किया गया. ये पुरस्कार भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अक्टूबर 2022 में आयोजित इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव में प्रदान किए गए। सवाल यह भी उठता है कि जिन पक्के आवासों की बात यहां की जा रही है, क्या गरीब उससे खुश हैं। यहां हम बात करेंगे दुकालू की। दुकालू स्टेशन के पास रेलवे की जमीन पर झोपड़ा बनाकर रहता था। कवेलू की छत थी और मिट्टी की दीवारें। पंखा, कूलर, एसी की जरूरत नहीं थी। आंगन में था एक मुनगे का पेड़ और उससे बंधी होती थी बकरियां। वहां से विस्थापित हुआ तो कंक्रीट के डिब्बे में बंद हो गया। बकरियां बेचनी पड़ी। घर पर बड़ी-पापड़-अचार बनाना असंभव हो गया। परिवार मुनगा और मुनगा भाजी का स्वाद भूल गया। पहले दुकालू इस बात से खुश था कि अब हर साल कवेलू ठीक करने के टेंशन से मुक्ति मिल गई। पर जल्द ही उसे अपनी भूल का अहसास हो गया। अब गर्मियों में उसका मकान माइक्रोवेव अवन की तरह तपता है। बारिश में पूरी दीवार सीलती है। कपड़े बिस्तर खराब हो रहे हैं। बच्चों के पास खेलने को जगह नहीं है। घर अब कैदखाना लगता है।

संपादकीय

रक्षा का विस्तार

भारत की रक्षा पंक्तियों को समय और जरूरत के अनुरूप मजबूत बनाना जरूरी है। इसी कड़ी में कम से कम 9,400 जवानों वाली सात नई बटालियनों को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में जोड़ा जाएगा। अरुणाचल में एक नया सेक्टर मुख्यालय भी बनाया जाएगा। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि चीन से लगती भारतीय सीमा पर दिनों-दिन जरूरत बढ़ती जा रही है। सीमा पर रक्षा पंक्ति को मजबूत करने के लिए 4.1 किलोमीटर लंबी सुरंग को भी मंजूरी दी गई, जो लद्दाख तक हर मौसम में पहुंच की गारंटी देगी। सीमा पर बसे लोगों को भी निवास के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह गौर करने की बात है कि चीन अपनी ओर सीमा में बसावट पर भी ध्यान दे रहा है। भारत को भी अपना कोई इलाका खाली नहीं छोड़ना चाहिए और खाली इलाकों में रक्षा से रौनक पैदा करने के लिए जवानों की जरूरत बढ़ गई है। सीमावर्ती चौकियों पर अभी भी आईटीबीपी के जवान तैनात हैं और जवानों की कमी की चर्चा बीच-बीच में सामने आती रही है। नई बटालियनों के बनने से चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता भी पैदा होगी। आशंका और असुरक्षा में कमी आएगी। हालांकि, चीन के साथ तुलना करें, तो यह संख्या अभी भी कम है। आने वाले दिनों में सरकार को और ज्यादा नियुक्तियां या भर्तियां करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4,800 करोड़ रुपये के व्यय के साथ केंद्र प्रायोजित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को भी मंजूरी दी है। इससे चीन की सीमा से लगते चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा। खबरें स्पष्ट हैं कि सीमा पर स्थित गांवों से पलायन हो रहा है, क्योंकि चीन का खतरा वास्तविक है, अतः इन गांवों में लोगों के रोजगार की व्यवस्था हर लिहाज से सही है और यह काम सरकार को युद्ध स्तर पर करना चाहिए। सीमा पर बसे गांवों में लोग अगर खुशहाल होंगे, तो इससे भारतीय रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से साल 2020 में गलवान में झड़पों के बाद से आईटीबीपी का विस्तार जरूरी हो गया था। आईटीबीपी के लिए और अधिक बटालियनों को शामिल करने का फैसला करीब 10 वर्ष के समय में पहली बार हुआ है। इस सुरक्षा बल में आगामी तीन वर्ष में 63 बटालियनें हो जाएंगी। सेना की मजबूती पर ध्यान प्रशंसनीय है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां प्रचार कम और काम अधिक करना ही ज्यादा अच्छा रहता है। भारत अपने को हर दिशा से चाक-चौबंद बना रहा है, तो यह बढ़ते खतरों को देखते हुए आवश्यक है। पिछले दिनों में नेपाल और चीन के बीच रिश्ते का जिस तरह से विस्तार तेज होता दिख रहा है, भारत के लिए सतर्कता अपरिहार्य हो गई है। नेपाल से हमारा रोजी-बेटी का संबंध है और यह संबंध टूट नहीं सकता, लेकिन नेपाल में धीरे-धीरे भारत विरोधियों की मौजूदगी बढ़ रही है, जो किसी भी प्रकार से युद्ध की स्थिति में भारत के प्रतिकूल जा सकती है, इसलिए नेपाल से लगती सीमा पर भी चौकसी जरूरी है। किसी भी भले आदमी को रोकना नहीं है, पर किसी भी गलत तत्व को देश में आने से रोकना सही रणनीति है। खुली और विश्वास भरी सीमा का फायदा किसी संदिग्ध मानसिकता वाले देश को नहीं मिलना चाहिए। सीमा पर चौकसी बढ़े, लेकिन हमारी चिंता में नेपाल की सुरक्षा भी शामिल रहे।

> “ आईटीबीपी के लिए और अधिक बटालियनों को शामिल करने का फैसला करीब 10 वर्ष के समय में पहली बार हुआ है। इस सुरक्षा बल में आगामी तीन वर्ष में 63 बटालियनें हो जाएंगी। सेना की मजबूती पर ध्यान प्रशंसनीय है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां प्रचार कम और काम अधिक करना ही ज्यादा अच्छा रहता है।

फिर संसद का क्या मतलब?

विपक्षी नेताओं के मन में यह बात क्यों गहराती जा रही है कि पीठासीन अधिकारियों के भेदभाव वाले व्यवहार के कारण संसद की सरकार की निगरानी और जवाबदेही तय करने की संवैधानिक भूमिका कमजोर होती जा रही है? संसद के मौजूदा सत्र में दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों को लेकर विपक्ष में जो रोष नजर आ रहा है, उस पर गंभीरता से चर्चा किए जाने की जरूरत है। खासकर जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेताओं के भाषणों के कई हिस्सों को कार्यवाही से निकाला गया, उसका तर्क समझना लोगों को मुश्किल हो रहा है। अभी इस बात पर चर्चा चल रही थी कि राहुल गांधी को नोटिस जारी होने की खबर आई। दो सांसदों ने स्पीकर से शिकायत की की गौतम अडानी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिश्तों का जिक्र कर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री का अपमान किया है। अब राहुल गांधी को बुधवार तक इस बारे में स्पष्टीकरण देने को कहा गया है कि उनके खिलाफ विशेषाधिकार की कार्यवाही क्यों नहीं चलाई जानी चाहिए। इस बीत तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा बार-बार यह शिकायत जता रही हैं कि भाजपा ने अलग-अलग विपक्षी नेताओं के लिए अपने अलग-अलग सांसदों की ड्यूटी तय कर रखी है, जो उनके भाषणों के दौरान लगातार व्यवधान पैदा करते रहते हैं। स्पीकर इस पर विपक्षी नेताओं को अपेक्षित संरक्षण देने में विफल रहते हैं। उधर राज्यसभा में सभापति पर विपक्ष का आरोप है कि वे खुद विपक्षी नेताओं के भाषणों से लगातार टीका-टिप्पणी करते रहते हैं। साथ ही सत्ता पक्ष की मंशा के मुताबिक निर्णय लेते हैँ। जाहिर है, ये सभी बेहद गंभीर आरोप हैं। प्रश्न यह है कि विपक्षी नेताओं के मन में यह बात क्यों गहराती जा रही है कि पीठासीन अधिकारियों के भेदभाव वाले व्यवहार के कारण संसद की सरकार की निगरानी और जवाबदेही तय करने के मंच के रूप में संवैधानिक भूमिका कमजोर होती जा रही है? अगर सत्ता पक्ष सचमुच ऐसा नहीं करना चाहता है, तो उसे इस सिलसिले में विपक्ष से तुरंत संवाद स्थापित करना चाहिए और उसकी शिकायतों को दूर करना चाहिए। वरना देश के एक बड़े जनमत के भीतर यह राय गहराती जाएगी कि भाजपा अपने भारी बहुमत का इस्तेमाल संसद और संसदीय प्रक्रियाओं को अप्रासंगिक बनाने के लिए कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी होगी।

खड़गे विपक्ष को एकजुट कर रहे हैं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को दो पद पर बनाए रखने का कांग्रेस का फैसला सही साबित हुआ है। पार्टी ने एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का अपवाद खड़गे के लिए बनाया। वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और साथ ही राज्यसभा में नेता विपक्ष भी हैं। संसद के बजट सत्र के पहले चरण में एक बार फिर प्रमाणित हुआ है कि खड़गे विपक्ष को एकजुट करने में कामयाब हैं। बजट पेश होने के बाद से ही वे लगातार विपक्षी पार्टियों के साथ बैठक करते रहे और पहले चरण के आखिरी दिन तक विपक्ष की पार्टियों ने उनके चैंबर में बैठ कर अपनी रणनीति बनाई। गुलाम नबी आजाद के बाद जब खड़गे को नेता बनाया गया था तब से ही वे विपक्ष को बेहतर तरीके से एकजुट कर रहे हैं। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका कद और बढ़ा है। वे ज्यादा ऑथोरिटी के साथ अब विपक्ष की राजनीति कर रहे हैं। उनके प्रयासों का नतीजा है कि उनकी हर बैठक में 15 विपक्षी पार्टियां जमा हुईं। यहां तक कि आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति के सांसद भी उनकी बैठक में शामिल हुए। अदानी के मसले पर चर्चा में भाग लेने के मसले पर भले आम आदमी पार्टी, भारत राष्ट्र समिति और शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने अलग स्टैंड लिया लेकिन सरकार को घेरने, सदन में मुद्दा उठाने और संसद भवन परिसर में प्रदर्शन करने में ये तीनों पार्टियां भी कांग्रेस के साथ रहीं। कांग्रेस के ईर्द-गिर्द विपक्ष की एकजुटता बनने से कांग्रेस की मजबूती का मैसेज बन रहा है। खड़गे भी इसका फायदा उठा रहे हैं और उन्होंने सरकार के साथ टकराव बढ़ाया है।

> “ आईपीसीसी का आकलन है, अगर ग्लोबल वार्मिंग की मौजूदा रफ्तार में सुधार के उपाय नहीं किए गए, तो समुद्र का जलस्तर 15 मिलीमीटर सालाना की दर से बढ़ सकता है।

डूब जाएंगे शहर, पर फिक्र किसे है?

अक्षित संगोमला

समुद्र का बढ़ता हुआ जलस्तर भारत समेत तटीय आबादी वाले तमाम देशों के लिए एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है। पिछले दिनों जारी विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट बता रही है कि 1901 से 1971 के बीच समुद्री जलस्तर में औसत वृद्धि दर सालाना 1.3 मिलीमीटर रही, जो 1971 से 2006 के बीच बढ़कर 1.9 मिलीमीटर प्रतिवर्ष हो गई। साल 2006 से 2018 के बीच तो यह वृद्धि दर हर साल 3.7 मिलीमीटर दर्ज की गई है। इसका अर्थ है कि 1901 से 2018 के बीच समुद्र जलस्तर में औसतन 0.20 मिलीमीटर की वृद्धि हुई है। इसीलिए इस रिपोर्ट की चर्चा करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने चिंता जाहिर की कि यदि हालात संभालने के प्रयास नहीं किए गए, तो बांग्लादेश, चीन, भारत, नीदरलैंड जैसे देशों के शहरों पर खतरा बढ़ने वाला है।

वाकई, समुद्री जलस्तर के बढ़ने से कई शहर खतरे में हैं। तटीय शहर या द्वीप ही नहीं, अब तो जोखिम का दायरा बढ़कर बड़े शहरों तक पहुंच गया है। एशिया में बैंकॉक (थाईलैंड), मनीला (फिलीपींस), हो ची मिन्ह (वियतनाम), शेनजेन (चीन), दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) जैसे शहरों पर खतरा ज्यादा है। भारत में भी मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों के डूबने की आशंका जाहिर की गई है। यही हाल, यूरोप, उत्तर और दक्षिण अमेरिका के शहरों का भी है। विडंबना है कि अब छोटे-छोटे द्वीपीय देशों की उतनी चर्चा भी नहीं होती, लेकिन कल्पना कीजिए कि यदि कैरेबियाई या प्रशांत के द्वीप डूबे, तो उनका अस्तित्व ही पूरी तरह से खत्म हो जाएगा और लोगों को वहां से निकालकर दूसरे देशों में बसाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प दुनिया के पास नहीं होगा।

यह चिंता काफी बड़ी है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन यूं ही जारी रहता है, तो साल 2100 तक ही समुद्र के जलस्तर में दो मीटर तक की वृद्धि हो सकती है, और साल 2300 तक इसके 15 मीटर तक बढ़ने की आशंका है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का आकलन है कि अगर मौजूदा स्थिति में सुधार के उपाय नहीं किए गए और ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार यही बनी रही, तो समुद्र का जलस्तर 15 मिलीमीटर सालाना की दर से बढ़ेगा, यानी अगले 10 साल में यह बढ़कर 15 सेंटीमीटर हो जाएगा और आगामी 50 साल में जलस्तर में 75 सेंटीमीटर तक की वृद्धि हो सकती है। जाहिर है, तब दुनिया के कई शहर डूब जाएंगे।

हमारे लिए विशेष चिंता की बात इसलिए है, क्योंकि एक रिपोर्ट यह भी बता रही है कि हिमालय की नदी घाटियों में रहने वाले लाखों लोगों पर ग्लोबल वार्मिंग का सीधा असर होगा। बताया जा रहा है कि जैसे-जैसे आने वाले दशकों में ग्लेशियर सिकुड़ते जाएंगे, सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में पानी का बहाव बढ़ जाएगा और ज्यादा पानी समुद्र में जाने लगेगा। इससे समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और उसका खारा पानी इन नदियों के डेल्टा में पसर सकता है, जिससे यहां पर इंसानों के लिए रहना करीब-करीब नामुमकिन हो जाएगा।

स्पष्ट है, शहरों का डूबना सिर्फ एक भौगोलिक ढांचे का खत्म होना नहीं होता, बल्कि अनगिन सपनों और उम्मीदों का टूटना भी होता है। शहर के डूब जाने से वहां की आबादी को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ता है। समुद्री जलस्तर में वृद्धि के कारण लोगों का पलायन होने भी लगा है, लेकिन इसको लेकर अभी तक कोई ठोस वैज्ञानिक अध्ययन नहीं किया गया है, लेकिन यह आशंका है कि तटीय इलाकों के समुद्र में समा जाने से दुनिया की करीब एक अरब आबादी प्रभावित होगी।

ऐसा नहीं है कि इसको रोकने के उपाय नहीं किए जा रहे हैं। एक बड़ी कोशिश तो यही हो रही है कि ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार थामी जाए। 19वीं सदी के अंत के बाद से पृथ्वी की सतह का औसत तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। इतना ही नहीं, कार्बन उत्सर्जन कम होने के बावजूद यह माना जा रहा है कि दुनिया 10 से 15 साल के भीतर 1.5 डिग्री सेल्सियस की ग्लोबल वार्मिंग की सीमा पार कर जाएगी। इसे रोकने के लिए तमाम देश लगे हुए हैं। अगर इसमें सफलता मिल सकी, तो निश्चित तौर पर ग्लेशियरों के पिघलने के खतरे से कुछ हद तक हम बच सकते हैं। मगर यदि किसी कारणवश ऐसा न हो सका, तो उस सूरत के उपाय भी अमल में लाए जा रहे हैं।

सबसे पहली कोशिश यह है कि जल-प्लावन के जोखिम वाले तटीय इलाकों को फिर से मानव बस्ती बसाने लायक बनाना। इसके लिए समुद्री तटों पर कृत्रिम बालू डाला जाता है। तटों पर दीवारें खड़ी करना, बांध बनाना और तूफान के असर को कम करने के उपाय करना भी सरकारों की प्राथमिकता में हैं। एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जो सफल साबित हुआ है। इससे समुद्र में समा चुकी भूमि को फिर से रहने लायक बनाया गया।

पारिस्थितिकी तंत्र को सुधारकर भी समुद्री जलस्तर के बढ़ने के खतरे को कम किया जा सकता है। इसके लिए मैंग्रोव (दलदल या नदियों के छोर पर उगने वाले उष्णकटिबंधीय वृक्ष) और प्रवालभित्तियों का संरक्षण या पुनर्जनन करने की कोशिश हो रही है। इसके अलावा, तटीय इलाकों में निर्माण कार्यों को रोककर और जोखिम वाली आबादी का नियोजित पुनर्वास करके भी इस खतरे से निपटने के प्रयास तमाम देशों द्वारा किए जा रहे हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। अच्छी बात यह भी है कि अपने यहां तटीय इलाकों को लेकर एक विशेष नीति भी बनाई जा रही है, जिसे आने वाले समय में जारी किया जा सकता है।

कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि हालात प्रतिकूल जरूर हैं, लेकिन बेहतर भविष्य का दामन छोड़ा नहीं गया है। सरकारें अपने तईं प्रयास कर रही हैं, लेकिन उनको अभी और संजीदगी व तत्परता दिखानी होगी। निस्संदेह, यह एक क्रूर मजाक है कि ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ने की एक बड़ी वजह विकसित देश हैं, लेकिन वे इसकी रफ्तार को घटाने को लेकर उतनी तत्परता से अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाना चाहते। ऐसे में, संयुक्त राष्ट्र महसचिव का कहना सही जान पड़ता है कि हमें जलवायु संकट का समाधान करना ही होगा, तभी हम अपने डूबते शहरों को बचा पाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मिलेट मिशनः छत्तीसगढ़ में सेहत और समृद्धि की नई पहल

रीनू ठाकुर, सहा.जनसंपर्क अधिकारी

कई पीढ़ियों से भारतीय खान-पान का अहम हिस्सा रहे मिलेट्स कब थाली से गायब हो गए पता ही नहीं चला। मिलेट्स की पौष्टिकता और उसके फायदों को देखते हुए फिर से उसका महत्व लोगों तक पहुंचाने की कोशिश सरकारों द्वारा की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। सामान्यतः मोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कोदो, कुटकी और कुट्टू को मिलेट क्रॉप कहा जाता है। मिलेट्स को सुपर फूड भी माना जाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होते हैं।

छत्तीसगढ़ की बात करें तो मिलेट्स यहां के आदिवासी समुदाय के दैनिक आहार का पारंपरिक रूप से अहम हिस्सा रहे हैं। आज भी बस्तर में रागी का माड़िया पेज बचे चाव से पिया जाता है। छत्तीसगढ़ के वनांचलों में मिलेट्स की खेती भी भरपूर होती है। इसे देखते हुए मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर मिलेट मिशन चलाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में मिलेट्स को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी और रागी का ना सिर्फ समर्थन मूल्य घोषित किया गया, अपितु समर्थन मूल्य पर खरीदी भी की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के माध्यम से प्रदेश में कोदो, कुटकी एंव रागी का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित कर उपार्जन किया जा रहा है। इस पहल से छत्तीसगढ़ में मिलेट्स का रकबा डेढ़ गुना बढ़ा है और उत्पादन भी बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के नथिया-नवागांव में मिलेट्स का सबसे बड़ा प्रोसेसिंग प्लांट भी स्थापित किया जा चुका है, जो कि एशिया की सबसे बड़ी मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई है। अब तक राज्य के 10 जिलों में 12 लघु मिलेट प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। गौठानों में विकसित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ विधानसभा में मिलेट्स से बने व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए दोपहर भोज का भी आयोजन किया जा चुका है। रायगढ़ जिले के खरसिया में बीते दिनों प्रदेश के पहले मोबाईल मिलेट कैफे 'मिलेट ऑन व्हील्स का शुभारंभ भी किया है। मोबाइल कैफे का संचालन करने वाली महिला समूह ने महज 8 महीनों में कैफे की मासिक आमदनी 3 लाख रूपये को पार कर गयी है। इस चलते फिरते मिलेट कैफे में रागी का चीला, डोसा, मिलेट्स पराठा, इडली, मिलेट्स मंचूरियन, पिज्जा, कोदो की बिरयानी और कुकीज जैसे लजीज व्यंजन परोसे जा रहे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों, फूड ब्लॉगर्स और युवाओं की यह पहली पसंद बन गए हैं।

छत्तीसगढ़ में शुरू हुए मिलेट मिशन का मुख्य उद्देश्य जिसका प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में मिलेट (कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार इत्यादि) की खेती के साथ-साथ मिलेट के प्रसंस्करण को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त दैनिक आहार में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित कर कुपोषण दूर करना है। प्रदेश में आंगनबाड़ी और मिड-डे मील में भी मिलेट्स को शामिल किया गया है। स्कूलों में बच्चों को मिड-डे मील में मिलेट्स से बनने वाले व्यंजन परोसे जा रहे है। इनमें मिलेट्स से बनी कुकीज, लड्डू और सोया चिक्की जैसे व्यंजनों को शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ में मिलेट्स की खेती के लिए राज्य को राष्ट्रीय स्तर का पोषक अनाज अवार्ड 2022 सम्मान भी मिल चुका है। मिलेट मिशन के चलते राज्य में कोदो, कुटकी और रागी (मिलेट्स) की खेती को लेकर किसानों का रूझान बहुत तेजी से बढ़ा है। पहले औने-पौने दाम में बिकने वाला मिलेट्स अब छत्तीसगढ़ राज्य में अच्छे दामों में बिकने लगा है। बीते एक सालों में प्रमाणित बीज उत्पादक किसानों की संख्या में लगभग 5 गुना और इससे होने वाली आय में चार गुना की वृद्धि हुई है। प्रदेश में कोदो, कुटकी और रागी की खेती का रकबा 69 हजार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 88 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। मिलेट उत्पादक किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। इस किसानों को भी 9000 रूपए प्रति एकड़ की मान से आदान सहायता दी जा रही है।

आईआईएमआर हैदराबाद के साथ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रयास से मिलेट मिशन के अंतर्गत त्रिपक्षीय एमओयू भी हो चुका है। छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन के तहत मिलेट की उत्पादकता को दोगुना किए जाने का भी लक्ष्य रखा गया है। सीएसआईडीसी ने मिलेट आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ चुंनिदा ब्लॉक में भूमि, संयंत्र एवं उपकरण पर 50 प्रतिशत सब्सिडी की योजना पेश की है। उम्मीद है कि पीढ़ियों से हमारे स्वाद और सेहत का खजाना रहे मिलेट्स का स्वस्थ जीवन शैली के लिए महत्व को लोग समझेंगे और एक बार फिर यह हमारी दैनिक जीवन का हिस्सा होगा।

सरकार भयमुक्त एवं विधिसम्मत शासन व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

छत्तीसगढ़ के डीजीपी ने लिखा एनआईए के महानिदेशक को पत्र

बस्तर में हुई तीन जनप्रतिनिधि की हत्या की जांच का किया अनुरोध

मनोज सिंह, सहायक संचालक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार भयमुक्त एवं विधिसम्मत शासन व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अपराध पर लगाम लगाए जाने और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस के संवेदनशील रवैये के साथ नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि विकास,विश्वास और सुरक्षा की रणनीति के कारण ही प्रदेश में नक्सली हिंसा की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है।

प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पिछले चार वर्षों में नक्सली उन्मूलन को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा पुलिस आधुनिकीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन नक्सलियों के खिलाफ पुलिस को आधुनिक हथियार, सुरक्षा उपकरण, आवश्यक प्रशिक्षण एवं वाहन उपलब्ध करा रही है।

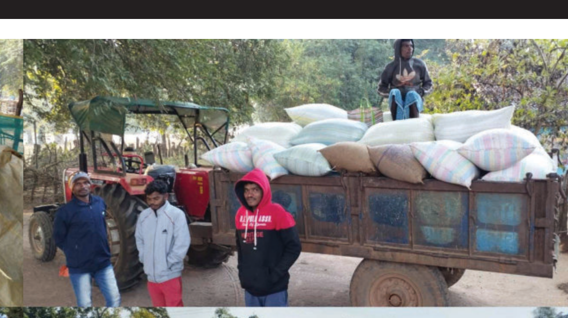

बीते वर्ष सरकार के द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर और छत्तीसगढ़ पुलिस के संवेदनशील व्यवहार के कारण 555 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया है जो एक बड़ी सफलता है। इसी दौरान 46 नक्सलवादियों की पुलिस मुठभेड़ में मौत भी हुई है। बीते चार वर्षों में नक्सल पीड़ित क्षेत्रों में 900 से अधिक परिवारों को मुकदमों से मुक्ति दिलाई जा चुकी है जो सरकार की आदिवासियों के हित में दूरदर्शी सोच और पुलिस की संवेदनशीलता से संभव हो पाया है। बस्तर को लेकर चार वर्ष पहले तक देश में कई भ्रांतियां थीं। लेकिन इन चार वर्षों में सरकार ने सुरक्षा और विश्वास को लेकर कार्य किया है। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में विकास के कार्य हुए हैं। इस दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े स्कूलों को फिर से प्रारंभ किया गया, नए अस्पताल खोले गए, ग्रामीणों के लिए पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गयीं। प्रत्येक गांव में राशन दुकान खोले गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को वन अधिकार पट्टों का वितरण किया गया है और आदिवासियों को उनकी जमीनें वापस कराई गई है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने एनआईए के महानिदेशक को पत्र लिखकर बस्तर में हुई तीन जनप्रतिनिधि की हत्या की जांच की मांग की है। श्री जुनेजा ने कहा है कि माओवादियों का इलाका लगातार सिकुड़ रहा है, केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के प्रयास से विगत वर्षों में नक्सली उन्मूलन में सफलता मिली है और इससे नक्सली बौखलाहट में जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

शहरी क्षेत्रों में बनेंगे अर्बन रूरल इंडस्ट्रियल पार्क : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए गए महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की तरह शहरी क्षेत्रों में भी युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 'अर्बन रूरल इंडस्ट्रियल पार्क' की स्थापना की जाएगी। राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में युवाओं को स्वयं के छोटे-छोटे उद्योग प्रारंभ करने के लिए विकसित भू-खंड, बिजली, पानी सहित अन्य जरूरी अधोसंरचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज राजनांदगांव के शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव और पदक वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए कहा कि छात्र जीवन में अनेक संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।

वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा साबित करने और आगे आने का अच्छा अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनांदगांव जिला कला-साहित्य के क्षेत्र में पूरे राज्य में विख्यात है। उन्होंने कहा कि यहां के साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र ने राजनांदगांव जिले का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा के लिए फीस माफकी गई है। साथ ही कमजोर वर्गों के छात्रों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महाविद्यालय के सत्र 2022 के मेधावी और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पदक वितरण करते हुए सम्मानित किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की मांग पर मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय में अहाता निर्माण के लिए 50 लाख रूपए एवं खेल मैदान समतलीकरण के लिए 10 लाख रूपए की घोषणा की। साथ ही उन्होंने पार्किंग एवं अन्य अधोसंरचना के लिए आने वाले समय में बजट में प्रावधान करने की घोषणा की।

सामुदायिक भागीदारी से समस्या का होता है स्थाई समाधान-कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में यूनिसेफ द्वारा जन-जागरुकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा, छत्तीसगढ़ यूनिसेफ चीफ श्री जॉब जकारिया, एसबीसीसी स्पेशलिस्ट अभिषेक सिंह, चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट चेतना देसाई, वॉश ऑफिसर विराजा सत्यपति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य एनएसएस एवं नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवकों का आगामी कार्ययोजना से संबंधित बैठक एवं मुलाकात करना था।

इस मौके पर कलेक्टर सिन्हा ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की किसी भी समस्या का सामुदायिक भागीदारी से स्थाई समाधान किया जा सकता है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा की छत्तीसगढ़ के मानपुर मोहला जनजाति क्षेत्र में एनीमिया, कुपोषण के मामले अधिक थे, वहां आज स्थिति बेहतर है। जिसका कारण वहां की सामूहिक भागीदारी है। जिसमें मितानिन, पंचायत प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला स्व-सहायता समूह एवं स्थानीय लोग शामिल थे। कुपोषण हटाने के लिए मात्र चना, गुड, तिल के लड्डू जैसे स्थानीय खाद्य पदार्थों का प्राथमिकता से सेवन करवाया गया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को दिन में नियत समय पर भोजन करने के लिए प्रेरित किया गया। मितानिनों द्वारा मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी लगाने के लिए एवं आयरन गोली सेवन के लिए सिटी बजा कर याद दिलायी जाती थी। यही सामूहिक सहभागिता से कार्य को सफ्ल बनाती है। आज हमारी युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा संवेदनशील है, हमें उन पर फोकस करने की आवश्यकता है। उनको डायवर्ट कर उनको अच्छे कार्यों में सदुपयोग करें। युवाओं को मोटिवेट करके उनके लिए मास्टर ट्रेनर बनने का कार्य करें। शासन द्वारा राजीव युवा मितान क्लब संचालित किया गया है, जिसमें एक निश्चित राशि दिया जा रहा है। इनके द्वारा संचालित एक्टिविटी में भाग लेकर पर्सनालिटी डेव्लपमेन्ट करें। उन्होंने कहा की एनएसएस द्वारा साक्षरता, लेप्रोसी जैसे विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सराहनीय कार्य किया गया है।

आगे भी एनएसएस एवं नेहरू युवा केन्द्र द्वारा सामाजिक जागरूकता से संबंधित कार्यों में सहयोग लिया जाएगा। इस दौरान एनएसएस के वालेंटियर्स द्वारा जिसमें कई सारी गतिविधियां एवं बाल विवाह रोकथाम आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। यूनिसेफ जिला समन्वयक दिव्या राजपूत ने बताया कि रायगढ़ के वालेंटियर्स कोविड़ महामारी के समय से ही काफी सक्रिय है एवं समाज में बदलाव लाने में इनकी अहम भूमिका हमेशा से रही है। विगत कई वर्षों से समाज हित के लिए बहुत ही प्रभावशाली तरीके से कार्य करते आ रहे है।

खास खबर

रायपुर में 18 और 19 को सेलिब्रिटी क्रिकेट मैच खेले जाएंगे

रायपुर। शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 18 व 19 फरवरी को होने जा रहे सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के विषय में छत्तीसगढ़ फ़िल्म इंडस्ट्री एसोसिएशन, प्रोड्यूसर एसोशिएशन और आयोजक आनन्द बिहारी यादव ने संयुक्त प्रेसवार्ता के माध्यम से रायपुर में आयोजित सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग की जानकारी साझा की। उल्लेखनीय है कि नवा रायपुर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के भव्य आयोजन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों को खेलते देखने के बाद ये दूसरा मौका होगा जब सिनेमा सितारों को क्रिकेट खेलते देखने का अवसर छत्तीसगढ़ की जनता को मिलेगा जिसमें सोनू सूद, रितेश देशमुख, सुनील शेट्टी, दिनेश लाल यादव, रवि किशन, मनोज तिवारी व सोहेल खान के साथ दक्षिण फ़िल्म इंडस्ट्री के भी सिने कलाकारों के नाम शामिल है। एक निजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में छत्तीसगढ़ फ़िल्म इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के आयोजन के संबन्ध में कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए ये गर्व की बात है कि रायपुर में ऐसा आयोजन हो रहा है। इस आयोजन में हम मेजबान है और हम इस आयोजन में शामिल होने आ रहे सभी कलाकारों का दिल खोलकर स्वागत सत्कार करेंगे। आयोजन समिति के प्रमुख आनंद बिहारी को आयोजन में हम हरसंभव मदद करेंगे व आगामी आयोजन में छत्तीसगढ़ से भी टीम सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग में खेलेगी इसके लिए हम छत्तीसगढ़ी कलाकारों की टीम तैयार करेंगे। प्रेसवार्ता में आनंद बिहारी यादव ने छत्तीसगढ़ फ़िल्म इंडस्ट्री व शासन प्रशासन से मिल रहे सहयोग को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि पहली बार छत्तीसगढ़ आने पर जिस तरह से सभी का सहयोग मिल रहा है वह अभूतपूर्व है आगामी आयोजन में छत्तीसगढ़ में अधिक मैच हो और छत्तीसगढ़ की टीम अपने मैदान में इस क्रिकेट लीग में खेले ऐसा प्रयास रहेगा।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का किया अनावरण

चिटफण्ड कंपनी के 4 हजार 309 निवेशकों को लौटाई 2 करोड़ 84 लाख 20 हजार रूपए की राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जिला मुख्यालय राजनांदगांव के बूढ़ासागर स्थित छत्रपति शिवाजी पार्क में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को 4 करोड़ 70 लाख 47 हजार 988 रूपए के चेक एवं छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने चिटफण्ड कंपनी सहारा इंडिया में निवेश करने वाले 4 हजार 309 निवेशकों को 2 करोड़ 84 लाख 20 हजार 238 रूपए के चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि इतिहास पुरूष छत्रपति वीर शिवाजी की स्मृति में आज उनकी मूर्ति का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को राशि का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज सहारा इंडिया के 4 हजार 309 निवेशकों को उनके गाढ़े पसीने की कमाई के निवेश किए गए 2 करोड़ 84 लाख 20 हजार 238 रूपए की राशि चेक के माध्यम से लौटाई जा रही है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जो चिटफंड कंपनियों पर कार्रवाई कर निवेशकों द्वारा जमा की गई राशि की वसूली इन कंपनियों से कर निवेशकों को लौटा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जनसामान्य के लिए बहुत सी लोककल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ के गांवों, शहरों, कस्बों के विकास की गति तेज हुई है। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता के लिए शासन लगातार कार्य कर रहा है। किसान, व्यापारी, महिलाएं सभी शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में तेजी से आगे अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान समाज प्रमुखों से मुलाकात हुई और उनकी मांग पर अनेक सामाजिक भवनों की राशि स्वीकृत की गई। सामाजिक भवनों के माध्यम से सामाजिक बन्धुत्व, समाज के विकास एवं उत्थान की बातें होंगी। उन्होंने सभी को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने कहा कि राजनांदगांव की भूमि साहित्यकारों की भूमि है। साहित्यकार डॉ. पदुमलाल पुन्ना लाल बख्शी, श्री गजानन माधव मुक्तिबोध एवं डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र से जुड़ी त्रयी की भूमि है।

संस्कारधानी नगरी में शिवाजी की मूर्ति अब शौर्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के बावजूद विकास की गति अबाधित रही। उन्होंने मुख्यमंत्री को नगर के सौंदर्यीकरण के लिए 4 करोड़ रूपए की राशि तथा पुन्नी मेला के लिए 2 करोड़ रूपए की राशि तथा 11 समाज को सामाजिक भवन के लिए 15 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृति देने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण दलेश्वर साहू, खुज्जी विधायक श्रीमती छन्नी साहू, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम धनेश पाटिला, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोगजितेन्द्र मुदलियार, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नवाज खान, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास विवेक वासनिक, नगर पालिक निगम राजनांदगांव के अध्यक्ष श्री हरिनारायण धकेता सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनसामान्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में 972 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना, सफाई कर्मकार प्रसूति सहायता योजना, ठेका श्रमिक, घरेलू महिला कामगार एवं हमाल श्रमिक प्रसूति सहायता योजना एवं उनके बच्चों को छात्रवृत्ति, असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना एवं छात्रवृत्ति, मिनीमाता महतारी जतन योजना, असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, सफाई कर्मकार के बच्चे हेतु छात्रवृत्ति योजना के तहत 1 करोड़ 86 लाख 27 हजार 750 रूपए के चेक वितरित किए।

जिले में जीरो शॉर्टेज की परंपरा कायम, किसानों से खरीदे गए धान का शत प्रतिशत हुआ उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। धान खरीदी महापर्व के दौरान 01 नवंबर 2022 से 31 जनवरी 2023 तक कोरबा जिले के किसानों ने उत्साहित होकर अपना धान समर्थन मूल्य पर समितियों में बेचा। शासन-प्रशासन द्वारा की गई सुनियोजित व्यवस्थाओं के कारण इस वर्ष भी जीरो शॉर्टेज की परंपरा कायम रही। किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का शत प्रतिशत उठाव किया गया। शत प्रतिशत धान उठाव के मामले में प्रदेश के दो जिलो में कोरबा भी शामिल है। शासन की व्यवस्थाओं से जिले के किसान संतुष्ट रहे। साथ ही टोकन लेने के लिए टोकन तुंहर हाथ मोबाइल ऐप ने भी किसानों को आसानी से टोकन प्राप्त करने में सहुलियत प्रदान की। कलेक्टर संजीव झा के कुशल नेतृत्व में सभी खरीदी केंद्रों में किसानों के सहुलियत के लिए जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। कलेक्टर झा धान खरीदी की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाकर समय-समय पर धान खरीदी की समीक्षा कर जरूरी निर्देश विभागों को दे रहे थे। इसी के फ्लस्वरूप धान खरीदी महाभियान के दौरान जिले में कुल 21 लाख 29 हजार 250 क्विंटल धान की खरीदी हुई। बेचे गए धान के बदले 38 हजार से अधिक किसानों ने 434 करोड़ रूपए से अधिक की राशि प्राप्त की है। सबसे अधिक धान की खरीदी रामपुर उपार्जन केंद्र में हुई। इस केंद्र में किसानों से 70 हजार 632 क्विंटल धान की खरीदी की गई। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 4 हजार 917 अधिक किसानों ने अपना धान सहकारी समितियों में बेचा। पिछले वर्ष के तुलना में इस वर्ष 4 लाख 26 हजार 736 क्विंटल से अधिक की धान खरीदी हुई। कलेक्टर झा ने सफ्लता पूर्वक धान खरीदी के कार्य को संपन्न कराने और शत प्रतिशत धान का उठाव सुनिश्चित करने के लिए जिला खाद अधिकारी जे. के. सिंह, सहकारी बैंक नोडल अधिकारी एस. के. जोशी, डीएमओ जान्हवी जिल्हारे, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सहित धान खरीदी में लगे सभी अधिकारी कर्मचारियों को बधाई देकर प्रोत्साहित किया।

कैट सी.जी. चैप्टर एवं लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वाधान में एमएमएमई के द्वारा उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला हुई

सभी व्यापारियों को एमएसएमई मे उद्यम आधार पंजीयन करवाना चाहिए - अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि दिनांक 15.02.2023 को एमएसएमई विकास कार्यालय रायपुर द्वारा कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं लघु भारती उद्योग छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में किया गया । कार्यशाला में श्री अमर पारवानी जी, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंड़िया ट्रडर्स (कैट) श्री राजीव एस जी, संयुक्त निदेशक, एमएसएमई - डीएफ्ओ, रायपुर, उमेश प्रसाद जी, सहायक निदेशक, एमएसएमई - डीएफ्ओ, रायपुर, सीए इकबाल फरिश्ता, अर्जुन सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक यूको बैंक, श्रीमति शिल्पी दुबे, लघु उद्योग भारती, श्री योगेश पटेल एवं कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश एमएसएमई प्रभारी श्री मोहम्मद अली हिरानी उपस्थित रहे। उमेश प्रसाद,सहायक निदेशक , एमएसएमई-विकास कार्यालय ने उद्यम आधार रजिस्ट्रेशन की जानकारी दिए । www-udyamregistration-gov-in पद में फ्री रजिस्ट्रेशन है, और एमएसएमई के अन्तर्गत उद्यम रेजिस्ट्रेशन बनने के पश्चात उद्योग के लिए बहुत से लाभ इस बजट में प्रस्तावित है उद्यमियों के लिए एक सिंगल विंडो पोर्टल बनाया गया है champions-gov-in आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस तकनीक से विकसित किया गया हाई टेक कंट्रोल रूम और इनफार्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम है । आप यहाँ अपनी शिकायत डाल सकते है और उसके स्टेटस को ट्रैक भी कर सकते है । आपको नई जानकारी भी यहाँ मिलेगी ।

खेल अकादमी में प्रवेश के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल जारी

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा के निर्देशानुसार प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम कोरबा में आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 15 से 17 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है। जिन खिलाड़ियों ने 15 फरवरी को मोटर एबिलिटी टेस्ट दिया था, उनका आज शाम तक तीनों खेलों के स्कील टेस्ट कराया गया। आज के चयन ट्रायल में व्हॉलीबॉल खेल से 13, फुटबॉल से 20 एवं बास्केटबॉल से 04 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 15 फरवरी को 217 कुल-254 प्रतिभागियों का मोटर एबिलिटि एवं स्कील टेस्ट कराया गया था।

खास खबर...

50 कैरेट टमाटर, 24 थैली बैगन व 12 थैली लौकी गोठान में किया दान

रायपुर (ए)। शहर के सड़कों पर आवारा मवेशियों को गोठान में रखा जा रहा है, गोठान में मवेशियों को चारे की कमी ना हो इसे देखते हुए शहर के कई सामजिक संगठन व समाजसेवी समय-समय पर पैरा सहित सब्जियां दान करते हैं। गुरुवार को गो सेवक अशोक पटवा ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की गोधन न्याय योजना के अंतर्गत संचालित फुण्डहर गोठान में पहुंचकर गोठान में करीब 50 कैरेट टमाटर, लगभग 24 थैली बैगन और अन्नपूर्णा वेज ने लगभग 12 थैली लौकी दान किया।

पैर की हड्डी के कैंसर का एम्स में सफल उपचार

रायपुर (ए)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के हड्डी रोग विशेषज्ञों की एक टीम ने कैंसर की एक गंभीर महिला रोगी की टैलस बोन (एड़ी) का ऑपरेशन कर न सिर्फ हड्डी के कैंसर को समाप्त किया बल्कि थ्री-डी प्रिटिंग की मदद से कृत्रिम हड्डी लगाकर महिला को एक बार पुन: दैनिक कार्यों के लिए स्वस्थ बना दिया। नई तकनीक की मदद से इस प्रकार के कैंसर का उपचार और हड्डी के स्थान पर कृत्रिम हड्डी का प्रयोग अब रोगियों को उम्मीद की एक नई किरण दे सकेगा। कोरबा की रहने वाली एक 32 वर्षीय महिला ने पिछले दिनों बाएं पैर की टैलस बोन (एड़ी) में दर्द और सूजन होने पर एम्स के हड्डी रोग विभाग के चिकित्सकों से परामर्श लिया। पूर्व में निजी चिकित्सकों ने उन्हें ऑपरेशन कर पैर कटवाने की सलाह दी थी परंतु एम्स के चिकित्सकों ने एक कठिन शल्य चिकित्सा का निर्णय लिया। इसमें कैंसर से प्रभावित हड्डी को ऑपरेशन से पृथक कर उसके स्थान पर दिल्ली में थ्री-डी प्रिटिंग से निर्मित हड्डी प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया गया। चिकित्सकों ने दाएं पैर की समान हड्डी की मिरर इमेज बनाई और इसी आधार पर दूसरे पैर की कृत्रिम हड्डी बनवाई। एक घंटे तक चला यह ऑपरेशन सफल रहा और अब महिला को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। महिला पुन: अपने पैरों पर नियमित रूप से चल पा रही है।

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने प्रो. अग्रवाल और उनकी टीम में शामिल चिकित्सकों डॉ. आलोक राय, डॉ. अर्केश और डॉ. अंकित कुमार गर्ग को इस सफलता के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि नई तकनीक की मदद से मध्य भारत में इस दुर्लभ शल्य चिकित्सा से गंभीर रोगियों को नई राहत मिल सकेगी। प्रो. अग्रवाल ने कहा है कि थ्री-डी प्रिटिंग की मदद से हड्डियों की शल्य चिकित्सा को एक नया आयाम मिल सकेगा। रोगी को इस ऑपरेशन में सिर्फ इंप्लांट की लागत देने पड़ी। शेष शल्य चिकित्सा नि:शुल्क की गई।

राजस्व शिविर में प्राप्त 195 में से 113 आवेदनों का त्वरित निराकरण

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ.सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर गुरुवार को धरसींवा तहसील के आमजनों के राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए सुबह 10 बजे से राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में राजस्व प्रकरणों- नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र , निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों का निराकरण किया गया।

आयोजित शिविर में कई हितग्राहियों के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी बी पंचभाई, अनुविभागीय अधिकारी(रा.) रायपुर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे। शिविर में विभिन्न प्रकरणों के कुल 195 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 113 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और 82 आवेदन प्रक्रियाधीन है। शिविर में आज नामांतरण प्रकरण के 31 प्राप्त आवेदनों में 19 निराकृत किए गए और 12 प्रक्रियाधीन है। मृत्यु प्रमाण पत्र के 01 आवेदन का तत्काल निराकरण किया गया। इसी तरह खाता विभाजन प्रकरण के 07 में से 01, किसान किताब के 27 में से 26, जाति प्रमाण पत्र के 27 में से 20, आय प्रमाण पत्र के 20 में से 15, निवास प्रमाण पत्र के 12 में से 10 और ऑनलाइन अभिलेख सुधार के 47 में से 21 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया।

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को तराशने किया जा रहे हैं लगातार प्रयास: सीएम भूपेश बघेल

अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में फ्लड लाईट और पवेलियन बनाने के लिए 2 करोड़ रूपए की घोषणा

मुख्यमंत्री 79वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के समापन समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव के अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फहॉकी स्टेडियम में आयोजित 79वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2022-23 के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फहॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में फ्लड लाईट और पवेलियन बनाने के लिए 2 करोड़ रूपए की घोषणा की।

मुख्यमंत्री बघेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हॉकी की नर्सरी कहे जाने वाले राजनांदगांव में महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता में देश भर से 20 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने सभी टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता में टीम की जीत-हार से ज्यादा महत्वपूर्ण यह होता है कि टीम ने नया क्या सीखा। अपने खेल को निखारने के लिए क्या नया अर्जित किया। निश्चित रूप से सभी टीमों ने यहां ऐसा बहुत कुछ अर्जित किया होगा, जो उनके खेल को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 में राजनांदगांव की अखिल भारतीय प्रतियोगिता में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद भी अपने खेल का प्रदर्शन कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव एवं जशपुर ऐसा क्षेत्र है जहां हॉकी का वातावरण हमेशा बना रहता है। इन शहरों ने देश को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। राजनांदगांव में एयरमेन बेस्टियन छत्तीसगढ़ के पहले ओलम्पियन हुए। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद राजनांदगांव की बेटी रेणुका यादव ने प्रथम महिला ओलम्पियन बनकर शहर को और छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अधोसंरचना और सुविधाओं के विकास तथा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रोत्साहन देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2021 एवं 2022 में एथलीट अकादमी की शुरूआत हुई। वर्ष 2022 में बिलासपुर आवासीय अकादमी तथा एक्सीलेंस सेंटर तथा रायपुर में तीरंदाजी अकादमी का संचालन शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2021 में शिवतराई बिलासपुर में तीरंदाजी उप केन्द्र, वर्ष 2022 में बिलासपुर में बालिका कबड्डी अकादमी, रायपुर आवासीय तीरंदाजी अकादमी, फुटबाल एवं गैर आवासीय एथलेटिक अकादमी की शुरूआत की गई। वर्ष 2019 के पहले हॉकी एवं तीरंदाजी की दो गैरआवासीय अकादमी थी। लेकिन यह अकादमी के रूप में न हो कर नियमित प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में संचालित हो रहा था। पिछले चार वर्षों में छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए शासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे खिलाड़ियों के लिए अच्छे प्रशिक्षण की व्यवस्था और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने बढ़िया खेल अधोसंरचना के निर्माण के कार्य निरंतर किया जा रहा है।

पेट्रोलियम स्पोर्ट्स पेट्रोलियम बोर्ड नई दिल्ली ने जीता विजेता का खिताब

प्रतियोगिता का फायनल मैच पेट्रोलियम स्पोर्ट्स पेट्रोलियम बोर्ड नई दिल्ली और सेल अकादमी राऊरकेला खेला गया। देवेन्द्र वाल्मीकि के तीन गोल और गुरविंदर सिंह के दो गोल के जरिये शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों से भरी-पूरी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स पेट्रोलियम बोर्ड नई दिल्ली ने सेल अकादमी राऊरकेला को एकतरफा खेले गये फायनल मैच में 7-1 गोल से पराजित करते हुए 79वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा करते हुए विजेता का खिताब जीता। विजेता टीम को विशाल रजत कप के साथ 2 लाख 51 लाख रूपए, उप-विजेता टीम को रजत कप एवं 2 लाख रूपए नगद, मैन ऑफद मैच देवेन्द्र वाल्मीकि को 51 हजार रूपए नगद, मैन ऑफद टूर्नामेंट कार्बिल लकरा को 11 हजार रूपए का नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण दलेश्वर साहू, खुजी विधायक छन्नी साहू, महापौर हेमा देशमुख, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी विश्र एवं विकास निगम धनेश पाटिला, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग जितेन्द्र मुदलियार, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नवाज खान, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास विवेक वासनिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में पंहुचे मंत्री डॉ. डहरिया

48 लाख रुपये की लागत से बनने वाले कम्प्यूटर लैब का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के आरंग शासकीय बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ डहरिया ने छात्रों और प्रध्यापकों सहित कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों को वार्षिक सम्मेलन की शुभकामनाएं दीं। मंत्री डॉ. डहरिया ने आरंग कॉलेज के लिए भूमि दान करने वाली दानदात्री मनियारी बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। डॉ. डहरिया ने कॉलेज के 48 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले कम्प्यूटर लैब का भूमिपूजन किया।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने इस अवसर पर महाविद्यालय के विकास के लिए एक करोड़ रुपए की घोषणा। इसमें मंच ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 50 लाख रुपए, बाउंड्रीवॉल एवं गेट के लिए 20 लाख रुपए तथा कॉलेज के आवश्यकता अनुसार अन्य कार्य के लिए 30 लाख रुपए की घोषणा की गई राशि शामिल है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केके चंद्राकार अध्यक्ष कॉलेज जनभागीदारी समिति आरंग, चंद्रशेखर चंद्राकार अध्यक्ष नगर पंचायत आरंग, खिलेश्वर देवांगन अध्यक्ष जनपद पंचायत आरंग, भारती देवांगन, डॉ. के.एन. शर्मा, प्रो. एच.एल. वर्मा, मंगलमूर्ति अग्रवाल, राजेश्वरी साहू, नारायण कुर्रे, खिलावन निषाद, राममोहन लोधी, भरत लोधी, सुमन देवांगन, ऋषभ गोस्वामी, चंद्रहास साहू, अब्दुल कादिर गोरी, गणेश बांधे, विष्णु भारद्वाज, दिलीप चंद्राकार, मनीष चंद्राकार, आलोक शर्मा, धनेश्वरी खिलावन निषाद, डॉ. घनश्याम टंडन, भीम जलक्षत्री, उपेंद्र साहू, डॉ.नंदकुमार कोशले, अमन खान, सलमा बेगम, मीना सोनी, सजल चंद्राकर, शुभांशू साहू, सत्येंद्र चेलक, राजेश बारल, मंजू चंद्राकार, रानू सेन, नंदी यादव, मोहेंद्र साहू, टिकेश्वर गिलहरे, जितेंद्र पारधी, कु.रेणुका वर्मा, कु. प्रकृति गुप्ता कु.सुरीली, जनार्दन यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

वन्य प्राणियों के संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन्य प्राणियों के संरक्षण तथा संवर्धन विषय पर 15 फरवरी से वन चेतना केन्द्र रमकोला में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में विभागीय अमले को विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। सरगुजा वनमंडल अंतर्गत यह कार्यक्रम वन संरक्षण (वन्यप्राणी) के.आर. बढ़ई के निर्देशन तथा उप निदेशक एलिफेंट रिजर्व सरगुजा श्रीनिवास तन्नेटी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन संरक्षक बढ़ई और उप निदेशक तन्नेटी द्वारा हाथी मानव द्वंद के रोकथाम उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उनके द्वारा वन अपराधों पर रोकथाम के लिए गश्त अभियान को निरंतर संचालित कर सतत् निगरानी रखने विशेष जोर दिया गया। इस दौरान वन क्षेत्रों में अग्नि से सुरक्षा के उपायों पर भी प्रभावी ढंग से अमल सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हाथी मानव द्वंद तथा अग्नि सुरक्षा संबंधी एक-एक पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर अधीक्षक तमोर पिंगला अभ्यारण्य जगजीत केरकेट्टा, अधीक्षक बादल खोर अभ्यारण्य एवं अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य विजयभूषण केरकेट्टा तथा कमलेश राय, प्रभुनाथ राम, अजय सोनी सहित एलिफेंट रिजर्व के समस्त वन प्रभारी एवं अग्नि प्रहरी उपस्थित थे।

शासकीय योजनाओं से लोगों की जेब में पहुंचा पैसा, अर्थव्यवस्था हुई सुदृढ़ : उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने रायगढ जिले एवं विकासखंड अंतर्गत विभिन्न गांवों का भ्रमण कर जनहित के अनेक विकासकार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर श्री पटेल आम ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए और इसके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर लागू राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों के जीवन में समृद्धि आई है। किसानों को धान का सबसे ज्यादा समर्थन मूल्य छत्तीसगढ़ में मिल रहा है। योजना के लागू होने के बाद से खेती छोड़ चुके लोग वापस किसानी की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, लघु वनोपज की खरीदी, गोधन न्याय योजना जैसी योजनाओं की मदद से आम लोगों के जेब में पैसा पहुंच रहा है। इससे बाजारों में रौनक बढ़ी है और अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ हो रही है।

उच्च शिक्षा मंत्री पटेल ने गांवों के भ्रमण के दौरान ग्राम-डूमरपाली, देवरी में सीसी रोड निर्माण, पानी टंकी निर्माण जैसे विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन भी किया। देवरी में आयोजित एक कार्यक्रम में वहां के बच्चों को मिलने के लिए उत्सुक देख मंत्री पटेल उनके बीच पहुंचे और हाथ मिलाकर उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछा। उन्होंने बच्चों को अच्छे से पढाई करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं आगामी परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान रायगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, जिला पंचायत सदस्य पुनीता दिलीप पटेल, जनपद सदस्य सुशीला महंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन की हेयर स्टाइल के लिए खास एक्सेसरीज

हर दुल्हन के मन में ख्वाब होता है कि वह अपनी शादी में सबसे खूबसूरत दिखे. उसके कपड़े, उसकी ज्वैलरी और हेयर स्टाइल सब बहुत ही परफेक्ट हो. अगर आप भी जल्द ही दुल्हन बनने जा रही हैं तो ये खबर आपके लिए ही है. आज कल बाजार में ऐसी बहुत सी ऐक्सेसरी आ रही है जो आपके पूरे अंग को ढंक दें. चाहे बात करें कंगन, मांग टीका, अंगूठी, ब्रेसलेट या इयर रिंग की, तो इन्हें आप लहंगे या सूट पर पहन कर आप सबका मन मोह सकती हैं.

अगर बालों में लगाये जाने वाली ऐक्सेसरीज की बात की जाए तो अधिकतर दुल्हने केवल मांग टीका ही लगाती हैं. लेकिन ऐसा नहीं है कि केवल मांग टीका ही लगाया जा सकता है, इसके अलावा ऐसी बहुत सारी एक्सेसरीज उपलब्ध हैं, जो जूड़े या चोटी में लगाई जा सकती हैं. अगर आपको अपने बालों को सजाने के लिये टिप्स चाहिये तो आप नीचे दिये गए कुछ उदाहरणों को देख कर अपनी आने वाली शादी की तैयारियां कर सकती हैं.

साइड हेयर पिन

बाल चाहे बंधे हो या फिर खुले, उनमें अगर साइड हेयर पिन लगा दी जाए तो वे बहुत खूबसूरत दिखते हैं. इस तरह की हेयर ऐक्सेसरीज आप अपने शादी के दिन भी ट्राई कर सकती हैं.

मोती वाली एक्सेसरी

आप अपने जूड़े को मोतियों से सजा सकती हैं. यह सिंपल भी लगती है और क्लासी भी.

गजरा

गजरा तो हर शादी में लड़कियां बालों में लगाती हैं. इससे बालों से अच्छी खुशबू आती है और आपका लुक भी काफी निखर कर आता है. इसके अलावा खुले गजरे के साथ साइड हेयर पिन, पतला सा मांग टीका और लंबे लटकते हुए इयररिंग आपके ब्राइडल लुक को पूरा करेगें.

ब्रोच हेयर पिन

यह हेयर पिन गोल आकार की है, जिसे बालों पर ब्रोच कि तरह लगाया जाता है.

फूलों का हेयर बैंड

अपने मन पसंद फूलों को आप अपने बालों में लगा कर हेयर बैंड बना सकती हैं.

ब्लैक पिन

वैसे तो ये काली पिन बालों को बांधने के काम आता है. लेकिन आप इससे कुछ अलग कर सकती हैं. इससे अपने आगे के बालों को ऊपर की ओर बांधिये और जूड़ा बना कर बालों में फूल लगा लीजिये.

बोरला

बोरला खासतौर पर राजस्थान में बहुत पहना जाता है. यह देखने में बहुत क्लासी लगता है और इसे पहनने से पूरा लुक ही चेंज हो जाता है.

स्टोन हेयर बैंड

ये स्टोन हेयर बैंड तब बहुत अच्छे लगते हैं जब इसे जड़े पर लगाया जाए.

मांग टीका

मांग टीका हर दुल्हन की पहली पसंद होती है. आप इसे सूट और लहंगे दोनों पर ही पहन सकती हैं.

खर्राटों और थाइरॉयड से मुक्ति पाने के लिए करें उज्जयी प्राणायाम

सोते समय खर्राटे आने की समस्या काफी लोगों को होती है। खास बात यह है कि इस समस्या का कोई सटीक इलाज भी नहीं है। इस समस्या में प्राणायाम से आराम मिल सकता है। थाइरॉयड की समस्या भी अब काफी लोगों में देखने को मिल रही है। यह एक ग्रंथि होती है, जिससे निकलने वाले रसायन के असंतुलित होने से मोटापा या अत्यधिक कम वजन होने की समस्या हो सकती है। उज्जयी प्राणायाम इस समस्या में भी राहत पहुंचाता है। यहां नीचे दिए लिंक में योग गुरु बाबा रामदेव इस प्राणायाम को करने की सही विधि बता रहे हैं। इसे देखें और सही विधि से प्राणायाम करें :

उज्जायी प्राणायाम का अर्थ

'उज्जायी' शब्द का अर्थ होता है- विजयी। इस प्राणायाम में वायु पर नियंत्रण किया जाता है। इसमें उज्जायी क्रिया और प्राणायाम के माध्यम से बहुत से गंभीर रोगों से बचा जा सकता है। इसका अभ्यास तीन प्रकार से किया जा सकता है- खड़े होकर, लेटकर तथा बैठकर।

उज्जायी प्राणायाम विधि

पहली विधि :- सुखासन में बैठ कर मुंह को बंद करके नाक के दोनों छेद से तब तक सांस अन्दर खींचें जब तक फेफड़े हवा से पूरी तरह भर न जाएं। फिर कुछ देर सांस अंदर रोक कर रखें। शुरुआत में जितना हो सके उतना ही करें। इसे धीरे-धीरे 1 से 2 मिनट तक कर सकते हैं।

फिर नाक के दाएं छिद्र को बंद करके बाएं छिद्र से वायु को धीरे-धीरे बाहर निकाल दें। वायु को अंदर खींचते व बाहर छोड़ते समय गले से खर्राटें की आवाज निकलनी चाहिए। इस तरह इस क्रिया का पहले 5 बार अभ्यास करें और धीरे-धीरे अभ्यास की संख्या बढ़ाते हुए 20 बार तक ले जाएं।

दूसरी विधि:- गले को सिकोड़ कर सांस इस प्रकार लें व छोड़ें की इस क्रिया की आवाज आए। पांच से दस बार श्वास इसी प्रकार लें और छोड़ें। फिर इसी प्रकार से श्वास अंदर भरकर जालंधर बंध (कंठ का संकुचन) शिथिल करें और फिर धीरे-धीरे रेचन करें अर्थात श्वास छोड़ दें। अंत में मूलबंध शिथिल करें। ध्यान विशुद्धि चक्र (कंठ के पीछे रीढ़ में) पर रखें।

लाभ:- शास्त्रों में बताया गया है कि नियमित रूप से उज्जयी प्राणायाम का अभ्यास करने से लंबे समय तक उम्र का प्रभाव नहीं पड़ता है। यह थाइरोइड रोगियों के लिए बहुत उपयुक्त प्राणायाम है। इसे करने से गर्दन में मौजूद पैराथाइरॉइड भी दूरुस्त रहता है। यह प्राणायाम मस्तिष्क से गर्मी दूर कर आराम पहुंचाता है।

इसके नियमित अभ्यास से पाचन शक्ति बढ़ती है। यह गले से बलगम को हटाता है और फेफड़े की बीमारियों को रोकता है। यह हृदय रोगियों के लिए बहुत अच्छा प्राणायाम है। इसे करने से खर्राटों की समस्या भी दूर हो जाती है।

एलोवेरा से पाएं दमकती त्वचा

अगर आप अपने चेहरे को सुंदर और बोदाग बनाए रखना चाहती हैं, तो आप बजार में मिलने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट को छोड़ एलोवेरा जेल अपनाइये, क्योंकि त्वचा की समस्या के लिए एलोवेरा जेल सबसे अच्छा होता है. इसकी ठंडक से मुंहासे और दाग ठीक होने लगते हैं. आज हम आपको एलो वेरा का ऐसा मास्क बनाना सिखाएंगे जो हर तरह की स्किन प्रॉब्लम के लिये प्रयोग किया जा सकता है.

चेहरे के लिये स्क्रब बनाएं

चेहरे को स्क्रब करना काफी जरुरी होता है नहीं तो आपके चेहरे पर बिल्कुल भी ग्लो नहीं दिखेगा. आप चाहें तो स्किन के लिये स्क्रब खुद घर पर ही तैयार कर सकती हैं. यह स्क्रब हर तरह की स्किन टाइप को सूट करता है. इसके लिये आपको एलो वेरा जेल, दही और थोड़ा ब्राउन या फिर वाइट शुगर की आवश्यकता होगी. इन सभी चीजों को मिक्स कर के चेहरे पर लगा कर गोलाई में रगड़ें. एलो वेरा स्किन को नमी पहुंचाता है और गंदगी से निजात दिलाता है. वहीं दही से स्किन में चमक आती है क्योंकि इसमें लैक्टिक एसिड पाया जाता है. और शुगर से डेड स्किन हटती है. इस स्क्रब को हफ्ते में एक बार लगाएं.

मुंहासों के लिये

मुंहासो की सबसे बुरी बात यह होती है कि इनके दाग चेहरे पर लंबे समय तक टिके रहते हैं. मुंहासों को दूर करने के एलो वेरा जेल, थोड़ा सा जायफल पावडर और कुछ बूंद नींबू के रस की लें. इन सभी को मिला कर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगा कर 10 मिनट रूक कर ठंडे पानी से धो लें. एलो वेरा जेल चेहरे पर पड़े मुंहासों को दूर कर उनके दाग को मिटाएगा.

रूखी त्वचा के लिये

त्वचा को नमी पहुंचाने के लिये एलो वेरा जेल काफी अच्छा होता है. आपको सिर्फ एलो वेरा जेल को ऑलिव औइल, शहद और बादाम तेल के साथ मिक्स करें. इसे चेहरे पर लगाएं और फिर आधे घंटे के बाद धो लें. यह आपके चेहरे को काफी लंबे समय तक मॉइस्चराइज रखेगा और उम्र से पहले पड़ने वाली झुर्रियों को हटाएगा.

ऑइली स्किन के लिये

दही के साथ थोड़ा एलो वेरा जेल और टमाटर का रस मिलाइये और इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर हल्के हल्के मसाज कीजिये. इससे चेहरे का औइल निकलेगा और मुंहासों के निशान भी मिट जाएंगे. इस पेस्ट को चहरे पर 20 मिनट के लिये लगा छोड़ दें और फिर चेहरा धो लें.

संवेदनशील त्वचा के लिये

जिनकी स्किन संवेदनशील होती है, उनके चेहरे पर मुंहासे काफी जल्दी आते हैं और उनकी उम्र का भी जल्दी ही पता चलने लगता है. अगर आपकी त्वचा भी संवेदनशील है तो एलो वेरा और पपीते का पेस्ट बना कर लगाये, इसमें आपको काफी मदद मिलेगी. यह स्किन को हाइड्रेट करती है और एक्ने से बचाती है. इसके अलावा इससे चेहरे पर तुरंत ही ग्लो भी आता है.

वजन कम करने के लिए पिएं ये खास ड्रिंक

सुबह जागते ही आप क्या खाते पीते हैं इसका सीधा असर आपकी सेहत पर होता है. आमतौर पर लोग सुबह जागते ही चाय या कॉफी पीने के आधी होते हैं. सेहत के लिए ये आदत कॉफी नुकसानदायक होती है. चाय या कॉफी में पाए जाने वाले तत्व सेहत के लिए कॉफी हानिकारक होते हैं.

अच्छी सेहत चाहिए तो सुबह जागते ही पानी पीने की आदत डाल लें. ये पेट के लिए काफी लाभकारी होता है. इस खबर में हम आपको एक ऐसे ड्रिंक की जाकनकारी देने वाले हैं जिसका नियमित रूप से सेवन आपकी सेहत के लिए कॉफी लाभकारी होता है.

रात में आप सोने से पहले पानी पीते हैं और फिर सीधे जाग कर. इस बीच एक लंबा वक्त बीत जाता है. इस दौरान हमारे शरीर को पानी की जरूरत होती है पर नींद में हम पी नहीं पाते. ऐसे में सुबह जाग कर कुछ ऐसा पीने की जरूरत होती है जो इस दौरान हुई कमियों को पूरी करे.ऐसे में पानी में नींबू और अदरक का इस्तेमाल पानी को बेहद खास बना देता है. इससे पानी की पॉष्टिकता अधिक हो जाती है.

इसके सेवन से कब्ज, अपच जैसी समस्याएं खत्म हो जाती है. इसके अलावा इसे पीने से इम्युनिटी सिस्टम मजबूत होता है और लीवर की कार्यक्षमता भी बढ़ जाती है. आप इस ड्रिंक को घर पर भी बना सकते हैं.

इसको बनाने के लिए एक ग्लास पानी में 2 चम्मच नींबू का रस डालें. अब इसमें कूटी हुई अदरक मिलाएं और मिश्रण को अच्छे से हिलाकर मिलाएं. इस ड्रिंक को रोजाना सुबह उठते ही पिएं. इससे शरीर की बहुत सी परेशानियां खत्म होंगी और आपका वजन कम होगा और आप हेल्दी रहेंगे.

दुर्ग, सुपेला और कोहका के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

राज्य की संस्कृति में रामायण मंडलियां का है विशेष स्थान-महंत रामसुंदरदास

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राज त्रिवेणी संगम राजिम में राज्य स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस रामायण प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों के रामायण मंडली रामनाम पर व्याख्यान दे रहे हैं। शुभारंभ अवसर पर राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर प्रभात मलिक, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, एडीएम अविनाश भोई, बैसाखू राम साहू, रोमन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर महंत रामसुंदर दास जी ने कहा कि धर्म नगरी में तीन दिनों तक रामनाम की गंगा बहेगी, जिसमें प्रदेश के बेहतरीन व्याख्याकारों की प्रस्तुति देंग। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की संस्कृति में रामायण मंडलियाँ एक विशेष स्थान रखती है।

राज्य शासन द्वारा पूर्व वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामायण मंडलियों को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता दलों को पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक सहायक नोडल अधिकारी युगल तिवारी ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले प्रदेश स्तरीय रामायण प्रतियोगिता के पहले दिन 15 रामायण मंडलियों जिसमें रायपुर, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद, गरियाबंद, बेमेतरा, राजनांदगांव, बिलासपुर, कांकेर, मुंगेली, रायगढ़, बलौदा बाजार भाटापारा, खैरागढ़ छुई खदान गंडई, कवर्धा, सरगुजा के मण्डली ने एक से बढ़कर एक बेहतरीन प्रस्तुति दी। इस अवसर पर निर्णायक मंडल के रूप में जेआर भगत, डॉ तनुजा बघेल, डॉ विधा सिह खैरागढ़, नेहरू गोस्वामी, नीलकण्ठ ठाकुर, पुराणिक राम साहू उपस्थित थे। प्रतियोगिता में सबसे पहले रायपुर जिले के ज्ञान गंगा मानस परिवार के व्याख्याकार ने श्रीराम जन्म कथा पर व्याख्यान किया कहा कि संत का विवेक सत्संग कराता है और सत्संग मनुष्य को सत्य की ओर ले जाता है, मनुष्य का जीवन सत्यमार्ग में जाना चाहिए। धमतरी कुरुद के मोर मयारू मानस परिवार ने लंका काण्ड पर कथा सुनाया कहा कि राम और शिव एक दूसरे से अलग नही है। भगवान राम चाहता था कि पृथ्वी समानता से भरा हो।

मेले में सांस्कृतिक मंच बना कलाकारों के लिए वरदान सरकार ने छत्तीसगढियों के लिए मंच को बनाया आकर्षक

5 फरवरी से शुरू राजिम माघी पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश-विदेश में बड़ी संख्या में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया या फिर अन्य माध्यमों से देखी एवं सुनी जा रही है। प्रस्तुत होने वाले प्रत्येक छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम में माटी की सोंधी-सोंधी खुशबू की महक ने धूम मचा दी है। लोक गायिका ममता चंद्राकर ने तो इसे विश्व का प्रतिष्ठित मंच बता दिया। छोटे-बड़े सभी कलाकारों को अवसर दिया जा रहा हैं इससे उनमें बहुत खुशी देखी जा रही है। पहला मौका है सरकार ने सिर्फछत्तीसगढियों के लिए मंच को आकर्षक बनाया है। मुक्ताकांशी मुख्य महोत्सव मंच की बनावट वास्तुकला की दृष्टिकोण से बेजोड़ प्रतीत होती है। लम्बें-चौड़े वर्गाकार क्षेत्रफल में फैले मंच की खासियत यहां आने वाले दर्शक बया कर जाते है। दांयी ओर दर्शकों के बैठने के लिए सीढी पर लाल पत्थर लगाकर बालकानी बना दिया है। बैकग्राउंड की आभा को एलईडी ने बढ़ा दिया है। उनके पीछें

ग्रीन रूम इत्यादि कलाकारों को सहयोग दे रहें है। सामने दर्शकों के बैठने की विशाल दीर्घा अलग-अलग चार गलियों में विभक्त हैं जिनमें 12 खण्ड महिला एवं पुरूष दोनों को रिलेक्स देती है। मुख्य महोत्सव मंच पर प्रदेश के प्रतिष्ठित लोक कलाकार लोक संस्कृति की प्रस्तुति लोकधुन पर देकर छत्तीसगढ़ी लोककला को सात समंदर पार पहुंचा रहें है।

सांस्कृतिक नदी मंच क्रमांक 02 पर स्थानीय लोक कलाकारों को बड़ा मंच दिया जा रहा है। जिनका सीधा प्रसारण हो रहा है। इस मंच के माध्यम से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। रामायण, पण्डवानी, लोककला मंच, जगराता, राउत नाचा, सुआ नृत्य, पंथी नृत्य, मंगल भजन, होली गीत, कवि सम्मेलन आदि से गुलजार हो रहा है।

कलाकार यूनिवर्सिटी से नहीं बनता उसे ईश्वर बनाता है - हेमलाल

राजिम। छत्तीसगढ़ी फिल्मों और यूट्यूब वीडियो के प्रख्यात हास्य कलाकार अपने प्रदर्शन से लोगों को हंसा कर लोटपोट करने वाले हेमलाल कौशल राजिम माघी पुन्नी मेला में लोक कला मंच की प्रस्तुति देने के लिए पहुंचे हुए थे। उन्होंने मीडिया के सामने अपने शुरुआती जीवन से लेकर हास्य कला में आने तक की बात बेबाक रुप से रखे। उन्होंने कहा कि मेरा मूल विधा हास्य है। मैं बचपन से ही मस्खरी करता था, जो आदत में शामिल था। स्कूली जीवन में कार्यक्रम होने पर कॉमेडी करता था और धीरे-धीरे इस मुकाम तक पहुंचा हूं । अपने प्रसिद्धि के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं प्रसिद्ध हो गया हूं। आप सब जनता जनार्दन का आशीर्वाद है कि मेरे कला को पसंद करते हैं, सराहते हैं। पर मैं सामान्य रहना चाहता हूं क्योंकि मैं बहुत ही गरीब घर में पैदा हुआ। हमने जो जीवन जिया उसे मैं भूला नहीं हूं, लेकिन जो मजा उस समय था वह आनंद अब नहीं। उन्होंने बताया कि 1983 में सोनहा बिहान में लोक कला मंच का शुभारंभ किया और इसके बाद 2019 में फिर राग अनुराग संचालन करने का अवसर मिला। इसमें सभी कलाकार मिडिल क्लास के रहने वाले हैं। उनका कहना है कि किसी भी संस्था का बैक सपोर्ट होना जरूरी है। मुझे हर जगह कार्यक्रम की प्रस्तुति देने का अवसर मिल रहा है। मैंने तकरीबन 15 भोजपुरी फिल्में और 100 से अधिक छत्तीसगढ़ी फिल्मों में अभिनय करने का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि मुझे सबसे ज्यादा प्रसिद्धि फिल्म टूरा रिक्शावाला से मिली। मेरा मानना है कि जो मैं सीखा हूं कि हंसाना कोई बड़ी बात नहीं है मैंने अपने जीवन का एक उद्देश्य बनाया की हंसाने के साथ-साथ समाज में जो कुरीतियां है उसे मिटाना है। कहा कि मैं राज कपूर और चार्ली चैपलिन से प्रभावित हूं। मैं चाहता हूं कि मैं अपने जीवन तक लोगों को हसाउ। उनका कहना है कि हर कलाकार की इच्छा रहता है कि वह राष्ट्रीय स्तर तक में जाएं। मैं अपने मेहनत में कोई कोताही बेमानी नहीं करता। मैं भाग्य को मानता हूं क्योंकि मुंबई कलाकारों का समुद्र है, लेकिन मेरा भाग्य है कि मेरे पास बाहर से शूटिंग के लिए ऑफर आता है जो मेरे लिए सौभाग्य है। कहा कि जब दर्शक हंसता है तो मुझे अत्यधिक खुशी होता है। मैं कोशिश करता हूं कि हर बार कुछ अलग तरीके से दर्शकों को हंसाउ। बताया कि मेहनत लगातार करता रहता हूं अपने टीम में 40 लोग हैं। उन्होंने बताया कि कलाकारों का शोषण अधिक होता है उनका अधिकार उसे पूरा मिलना चाहिए। कलाकार को कोई नहीं बना सकता उसे ईश्वर बनाता है।

कुलेश्वरनाथ महादेव का रुद्राक्ष से हुआ श्रृंगार

राजिम। माघी पुन्नी मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचकर मंदिर दर्शन का लाभ ले रहे हैं। तीन नदियों के संगम सोंढूर, पैरी एवं महानदी के संगम पर स्थित श्री कुलेश्वर नाथ महादेव का प्रतिदिन श्रृंगार किया जा रहा है इससे शिवलिंग दमक उठा है। गुरुवार को ज्योतिर्लिंग तथा वेदी पर रुद्राक्ष की माला से श्रृंगार किया गया। इससे महादेव देखते ही भर रही थी। मंदिर में इस कदर भीड़ देखी जा रही है कि ऐसा मौका पहली बार है कि प्रतिदिन सुबह से ही लोग कतार बद्ध होकर दर्शन करते हैं इस बार प्रदेश सरकार के द्वारा सिढ़ी के पास बैरिकेट्स लगा दिए गए हैं। जिसमें महिला एवं पुरुष के प्रवेश के लिए अलग-अलग द्वार है इससे श्रद्धालुओं को सोहलियते हुई है। दूसरी ओर लक्ष्मण झूला से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन लाभ ले रहे हैं। शास्त्रों के मान्यता के अनुरूप द्वादश ज्योतिर्लिंग, 108 दिव्य शिवलिंग तथा 175 शिव पीठ का वर्णन मिलता है जिनमें से कुलेश्वर नाथ महादेव का निर्माण त्रेता युग में देवी सीता ने बालु से किया था आज भी शिवलिंग पर रेत के कण देखे जाते हैं। गुरुवार को विजया एकादशी होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए सुबह से ही उपस्थित हो रहे थे घंटियों की झंकार तथा पूजन सामग्री से मंदिर परिसर महा उठा। साल भर में 12 महीना होते हैं और 24 एकादशी मनाई जाती है। विजया एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है इस दिन विधिवत पूजा करने से पापों से मुक्ति और सभी सुखों की प्राप्ति माना गया है। भगवान राजीवलोचन की प्रतिमा अत्यंत मनोहारी लग रहा था। भजन कीर्तन एवं भक्ति भाव से माहौल धर्ममय बना हुआ है।

मैली चादर ओढ़ के कैसे... भजन समा बांधा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बहीं मेले में बयार

राजिम। माघी पुन्नी मेला का सांस्कृतिक मंच छत्तीसगढ़ की संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों से दमक उठा है लोक कला मंच की प्रस्तुति जीवंतता प्रदान कर रही है तो जगराता और पंडवानी महाभारत की कथाओं की ओर ले जा रही है। रामायण की प्रस्तुति से राम नाम की गंगा बह रही है। जस गीत झांकी डांस ग्रुप इत्यादि कार्यक्रमों की बहार आ गई है। कोपरा के विजय मार्कंडेय ने भजन संध्या की प्रस्तुति दी। उन्होंने जैसे ही मैली चादर ओढ़ के कैसे... भजन प्रस्तुत किया उसके बाद तो समां ही बंध गया। उन्होंने हे शंभू बाबा मेरे भोलेनाथ..., आओ महिमा गाए भोलेनाथ की... भजनों ने धूम मचा दी। पिपरछेड़ी के ओम कुमार ने आदिवासी भुंजिया नृत्य प्रस्तुत किया। रावड़ के हेमंत कुमार साहू ने रामायण, छोटे उरला के हेमीन भाई महेश्वरी ने गिरोधपुरी के माटी चंदन, हसदा नंबर 2 उत्तम साहू ने जस गीत जगराता झांकी, बीरेझर के कुमारी हेमा साहू ने तिरंगा डांस ग्रुप की शानदार प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम को देखने के लिए सुबह 11:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक दर्शक बैठे रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज सेन एवं किशोर निर्मलकर ने किया।

पढ़ाई में कमजोर था इसलिए बहुत मार खाया हूं: सुनील सोनी

राजिम। माघी पुन्नी मेला में लोक मंच की प्रस्तुति देने पहुंचे छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गायक सुनील सोनी मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि 100 से भी अधिक छालीवुड की फिल्मों में संगीत दिया हूं, छत्तीसगढ़ी के अलावा भोजपुरी गीत गाया हूं। ओड़िया भजन के साथ माउंट आबू में गीत की रिकॉर्डिंग हुई जिसे सुनकर लाखों लोग योगा करते हैं। अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। जीवन में आपाधापी लगा रहता है। किसी भी विधा से जुड़े रहो तो आसपास के लोग आगे ले जाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री सोनी ने अपनी कला यात्रा को बताते हुए कहा कि मैं बचपन से ही खूब गीत गाया करता था। कहीं भी चलते चलते, बैठे हुए, बेडरूम, शौचालय हर जगह गुनगुनाता था। उस समय हिंदी गीत मेरे रग-रग में बसा हुआ था। बाल मंदिर में पहली बार लोगों ने मेरे द्वारा गाए हुए गीत को सुना तो सब लोग बहुत प्रभावित हुए और मुझे मास्टर सुनील सोनी कहने लगे। पिताजी अभिनय कराने के लिए ले गए। बिलासपुर के कोलकाता स्टूडियो उस बहुत महंगा था वहां गीत गया और आगे बढ़ने का क्रम शुरू हो गया। उन्होंने आगे बताया कि मैं सरकारी स्कूल में पढ़ा हूं पढ़ाई में कमजोर था इसलिए बहुत मार खाया हूं। मेरे घर के बाजू में प्रभात टॉकीज था इंटरवेल के समय अक्सर फिल्म देखने के लिए घुस जाते थे इस तरह से एक- एक फिल्म को पचास-पचास बार देखा हूं जिनमें से नदिया के पार, प्यार झुकता नहीं, जस्टिस चौधरी, मवाली, शोले सहित बिग बी अमिताभ बच्चन के अनगिनत फिल्म देखा हूं। इसी वजह से संगीत मुझमें समा गया है। बचपन में पाऊंड्स पाउडर का खाली डब्बा को पोंगा बनाकर गाना गाते थे। माइक नहीं थे इसलिए इन्हीं का उपयोग करते थे। अभाव का प्रभाव है कि प्रतिदिन अब मुझे माइक हाथ में लेने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंच पर छत्तीसगढी सांस्कृतिक की छवि देखने को मिलती है

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला में 11वें दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य मंच पर सुनील सोनी के एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी गीतों को सुनकर दर्शक भी गीतों के रस में डुबकी लगाने लगे। सुनील सोनी के मंच पर पहुंचते ही दर्शकों ने तालियों से स्वागत किया। उन्होंने अपनी पहली प्रस्तुति गणपति मोरिया मंगल मूर्ति मोरिया... और अरपा पैरी गीत के साथ शुरूआत की। इसके बाद मै बालक तू माता शेरावाली... भक्ति गीत की प्रस्तुति दी।

स्व. लक्ष्मण मस्तुरिहा को गीतों की गीतांजलि देते हुए छईहा भुईहा ला छोड़ जवैया.... जैसे ही इस गीत की प्रस्तुति ने दर्शकों को छईहा भुईहा छत्तीसगढ़ी फिल्म की याद दिली दी। आवो दौना पान.., मया होगे रे तोर संग... ऐसे छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति सुन दर्शक भी झूमने लगे। काने मा बाली गोरा-गोरा गाल... गीत ने तो धमाल मचा दिया। सुनील सोनी और उसके सहयोगी कलाकार माधुरी भट्ट जो नयापारा राजिम की है वो भी थिरकने लगी। छत्तीसगढी फिल्म हंस झन पगली फंस जाबे के गीत मीठ-मीठ लागे मया के बानी.... बाग नदियां टुरी झन जा...., ऐ जिन्दगी के नई ए ठिकाना..... लहर गंगा ले लेतेन... जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर सुनील सोनी ने मंच पर अपना छत्तीसगढ़ी छाप छोड़ दिया। उनके आने वाले नये एलबम बारामासी तहीं मोर जिन्दगी के तीर्थ कांशी ये गीत युवा वर्गो को बहुत ज्यादा आकार्षित किया। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के और भी प्रसिध्द गीत ये मोर जहुरिया ए वादा हे..., प्रीत के आगी ला सुलगा के..., का तै जादू करें दिल ल काबू करें.... ऐसी गीतों की प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। मंच पर फाग गीत गाकर होलीमय बना दिया।

महाशिवरात्रि को ध्यान में रखते हुए हर-हर भोला गुरू महादेव... गाया गया। सुनत नई ए वो बोलत नई ए वो मार पथरा के देवता... जैसे भक्ति गीतों ने आस्था के भाव प्रकट किए। मंच पर इसके पूर्व हेमलाल कौशल छत्तीसगढी फिल्म के कमेडी हीरो का राग-अनुराग लोककला मंच के द्वारा गणपति को मनाते हुए गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। अगली कड़ी में तोर ले मया होगे ना.... ऐ करिया बादल बरसे झमा-झम इन्हीं के बीच प्रेम लीला गम्मत की प्रस्तुति हुई जिसे देख दर्शक अपने हंसी को नहीं रोक पाये। धीरे-धीरे चोरी-चोरी मन में समाय राग-अनुराग की अंतिम प्रस्तुति थी जिसे देख दर्शक भी छत्तीसगढी सांस्कृतिक परंपरा से परिचित हुए। इन कलाकारों का स्वागत जिला पंचायत सदस्य रोहित साहू के साथ अन्य जनप्रतिनिधि ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम के समन्वयक पुरूषोत्तम चन्द्राकर और संचालन निरंजन साहू के द्वारा प्रतिदिन किया जा रहा है।

एक जमीन का दो बार सौदा

मास्टर प्लान में सड़क आई तो लाखों का मुआवजा भी ले लिया, कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उतई में जमीन सौदे में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मामला उतई थाना क्षेत्र के गांव गोंडपेंडरी का है। यहां रहने वाले कमलेश यादव ने तोरण ठाकुर नाम के व्यक्ति से जमीन का सौदा किया। कुल 2 लाख 60 हजार रुपए लेकर इकरारनामा भी बना दिया। बाद में पता चला कि उक्त जमीन को कमलेश ने पहले ही बेच दिया था। यही नहीं मास्टर प्लान में सड़क आने पर सरकार से 14 लाख रुपए का मुआवजा भी ले लिया।

इस मामले में तोरण ठाकुर ने उतई थाने से लेकर एसपी ऑफिस तक शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। थक हारकर उसने कोर्ट की शरण ली। अब कोर्ट के आदेश पर कमलेश यादव के खिलाफ उतई पुलिस ने धारा 420, 467, 468, 471 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 17, भाटा पारा, गोंडपेंडरी तहसील पाटन निवासी तोरण ठाकुर के साथ इसी गांव में रहने वाले कमलेश यादव व उसके पिता प्यारेलाल यादव ने 29 सितंबर 2021 को खसरा क्रमांक 425/2, 1401, 1429/2, 1429/3, 1336/1 रकबा 0.03, 0.14, 0.05, 0.13, 0.08 का क्रय करने का सौदा किया था। भूमि का पक्का सौदा 2 लाख 60 हजार में हुआ। रकम को कमलेश यादव और उसके पिता प्यारे लाल ने अपने रख लिया और इकरारनामा भी बनाया जिसमें कमलेश यादव और प्यारेलाल ने बतौर विक्रेता अपने हस्ताक्षर किए थे।

बाद में तोरण ठाकुर को पता चला कि कमलेश यादव व उसका पिता प्यारे लाल और जमीन सौदे के नाम पर धोखाधड़ी करते हैं। इसके बाद उसने जमीन की रजिस्ट्री की बात कही तो दोनों टालने लगे। इस दौरान तोरण ठाकुर को पता चला कि जिस जमीन का उसने सौदा किया उसे कमलेश व उसके पिता ने रामनाथ के साथ 23 नवंबर 2020 में सौदा किया और जिसके एवज़ में दोनो ने बतौर बयाना 50 हजार रुपए भी ले लिए।

इसके बाद उक्त भूमि पर सड़क बनाने की योजना आई और सरकार ने अधिग्रहण शुरू किया। यहां पर कमलेश यादव ने चालाकी दिखाई और 14 लाख के करीब सरकारी मुआवजा भी ले लिया। इस बीच कमलेश यादव के पिता प्यारेलाल का निधन हो गया। इधर जमीन के सौदे में ठगी का शिकार होने के बाद तोरण ठाकुर ने उतई थाने में शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उसने कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने पूरे मामले में दस्तावेजों की जांच के बाद कमलेश यादव के खिलाफ अपराध दर्ज करने का निर्देश दिया। कोर्ट के आदेश पर उतई पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

आठवीं बार एक ही मोबाइल दुकान में चोरी

मलिक ने तंग आकर लगवाए थे सीसी कैमरे, कैद हुई चोरों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा (ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक मोबाइल दुकान से 8 वीं बार चोरी हुई। दुकान मालिक ने गुरुवार सुबह थाने पहुंचकर जब शिकायत दर्ज कराई तो पुलिस भी हैरान रह गई। एक ही दुकान में आठवीं बार चोरी के बाद पुलिस भी आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों ने दुकान में रखे 37 मोबाइल और 70 हजार नगद पर हाथ साफकर दिया है। लगातार हो रही चोरियों से तंग आकर दुकान मालिक सीसी कैमरा लगवाया था जिसमें चोर की स्पष्ट तस्वीर कैद हो गई। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा के बालको नगर मे भारतीय स्टेट बैंक के पास मोबाइल मोहम्मद अली की मोबाइल दुकान में चोरी हुई। बुधवार रात मोहम्मद अली दुकान

बंद करके अपने घर चले गए और गुरुवार सुबह उन्होंने दुकान खोला तो दंग रह गए। 37 मोबाइल व अन्य सामान के साथ गल्ले में रखे 70 हजार रुपए गायब थे। दुकान की छत से सीट हटाकर चोरों इस कारनामे को अंजाम दिया। दुकान मालिक ने पुलिस को बताया कि चोरों से तंग आकर दुकानदार ने दुकान में चारों ओर सीसी कैमरे लगवाए थे। पुलिस को सीसी टीवी फुटेज में चोर का चेहरा दिखा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

खास खबर

नागमणि बेचने के नाम रिटायर्ड टीचर से गिरोह बनाकर ठगी, एक बदमाश गिरफ्तार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नागमणि बेचने का झांसा देकर रिटायर्ड शिक्षक से लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने शिक्षक को पहले मोबाइल टॉवर लगाने के लिए एग्रीमेंट किया और योजनाबद्ध तरीके से नागमणि की बात छेड़ दी। करोड़ों की नागमणि के झांसे में रिटायर्ड शिक्षक आ गया और ठगी का शिकार हो गया। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने इस गिरोह के एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शेष चार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार ठगी का शिकार प्रार्थी रिटायर्ड शिक्षक हरिप्रसाद कश्यप हुआ है। दरअसल ठग गैंग के एजेंट बनकर राजू साहू, संजय कुमार रवि, भोले उर्फ राजकुमार सूर्यवंशी इनके पास पहुंचे। चार टावर लगाने के लिए दो डिसमिल जमीन का एग्रीमेंट एक साल में 11 हजार रुपए में किया। रिटायर्ड टीचर हरिप्रसाद कश्यप के पास गिरोह का एक आदमी पहुंचा और उसने कहानी बताई कि उसकी मा करील तोड़ने जंगल गई थी जहां उसे नागमणि मिली हैं, जिसकी मार्केट वैल्यू 1 करोड़ रुपए है। नागमणि का सौदा उसने रिटायर्ड शिक्षक से 30 लाख रुपए में कुछ ऐसे किया कि 15 लाख रुपए उसे और बाकि 15 लाख रुपए टावर लगाने वाले व्यक्ति को देना था।

आदर्श कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल के लैब में चोरी, 50 हजार का सामान पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय आदर्श कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के ATL लैब में चोरी हो गई। घटना करीब सप्ताह भर पुरानी है। लैब में चोरी की सूचना शिक्षा विभाग को देने के बाद चोरी गए समान की गणना कर शिकायत दर्ज कराई गई है। चोर लगभग 50 हजार रुपए का प्रयोगिक सामान चुरा कर ले गया। लैब का ताला तोड़कर चोर दाखिल हुआ और वारदात को अंजाम दिया। चौकी पद्मनाभपुर पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार शासकीय आदर्श कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक ओम प्रकाश राजपूत ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया 8 फरवरी को दोपहर 12.00 बजे विद्यालय मे स्थापित अटल टिंकरिंग लैब मे सफाई करने विद्यालय कर्मी के पहुंचने पर पता चला कि लैब का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि लैब मे रखी सामाग्री यत्र तत्र बिखरी पडी मिली। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई पुलिस ने जांच भी की। सामाग्री का स्टाक पंजी से मिलान करने पर 26 सामान गायब मिले जिसकी कुल कीमत 37 हजार से ज्यादा है। चोरी गए सामान में अरुडिनो नैनो –04, डीसी जैक के साथ बैटरी क्लिप 16, कलर सेंसर 01, डायोड 02, इलेक्ट्रिक वायर 20 एमटीआर, फोर्स प्रेशर सेंसर 02, जीएसएम 02, हैक्सॉ ब्लेड्स मिनी 10, हाइब्रो टूल्स 01, एलडीआर मॉड्यूल 01, नोज़ सर्किलप प्लायर 01, नीडल नोज प्लायर 01, पल्स रेट हार्ट सेंसर 02, RFID रीडर टैग 03, मृदा नमी सेंसर 03, 7 सेगमेंट डिस्प्ले 10, कला और शिल्प सहायक उपकरण 05, सर्वर मोटर 02, पावर बैंक 02, 3डी पेन 01, वुड ग्लू 01, स्पिरिट लेवल 01 आदि शामिल हैं।

वैलेंटाइन-डे की रात 2 सहेलियों ने ट्रेन से कटकर की थी खुदकुशी

तीन दिन बाद हुई शव की पहचान

भिलाई। भिलाई की रहने वाली दो किशोरियों ने वैलेंटाइन डे की रात ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। दोनों का शव इतना क्षत विक्षत हो गया था कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। भट्ठी पुलिस ने शव को पीएम के बाद मरच्यूरी में रखवा दिया था। तीन दिन बाद गुरुवार को दोनों शवों की पहचान यशोदा साहू (16 वर्ष) और कुनी देवदास (17 वर्ष) के रूप में हुई है।

भट्ठी टीआई केके कुशवाहा ने बताया कि मुंबई-हावड़ा अप लाइन पर चन्द्रा-मौर्या टॉकीज के पास 14 फरवरी की रात 9 बजे दो लड़कियों की इंटरसिटी एक्सप्रेस से कटकर मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पहचान कराई, लेकिन शव की हालत काफी खराब होने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था।

इसके बाद सभी थानों में गुम लोगों की जानकारी मंगाई गई और उनके परिजनों से शव की शिनाख्त कराई गई। तीन दिन बाद सुपेला थाना अंतर्गत रहने वाले परिजनों ने दोनों शवों की पहचान की। परिजनों ने लड़कियों की पहचान उनके कपड़े से की। दोनों शवों की पहचान अवंतीबाई चौक सुपेला निवासी यशोदा साहू (16वर्ष) और वार्ड 15 गांधी नगर सुपेला निवासी कुनी देवदास (17वर्ष) के रूप में हुई है। जिन लड़कियों का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला है वो आपस में सहेलियां थीं। दोनों सुपेला में एक कपड़ा दुकान में एक साथ काम करती थीं।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक – 43

ज्ञा.कं. 4030 / व.ले.लि./ ग्रा.यां.से./2022-23 दुर्ग, दिनांक 14/02/2023

छ.ग. के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (**Zonal Tender**) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एंव शहरी क्षेत्र हेतु) दुर्ग, पाटन, धमधा हेतु ग्रुप (1,2,3,4,5) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.1.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधन दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 02.03.2023 को अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं दिनांक 03.03.2023 के समय 3:00 बजे खोली जावेगी ।

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख (प्रति ग्रुप)
(2) अमानत राशि रू. 15000.00 (प्रति ग्रुप)
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रू. 750.00 (प्रति ग्रुप)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **http://res.cg.gov.in** में दिनांक 14/02/2023 से देखी जा सकती है एवं डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 28.02.2023 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग (छ.ग.)

जी-98583/6

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/सं.क.वि./2023/719/462 भिलाई, दिनांक 15/02/2023

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:–

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	गीतम राम यादव, पिता स्व. केशव राम यादव, निवासी–म.नं. 155 वार्ड नं. 09, आर्यनगर कोहका, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती सारिका यादव, पति स्व. अशोक कुमार यादव, खुद वो पालक वली मां 1. ना.बा. साक्षी यादव, पिता स्व. अशोक कुमार यादव, 2. ना.बा. नित्या यादव, पिता स्व. अशोक कुमार यादव, सभी निवासी–म.नं. 155 वार्ड नं. 09, आर्यनगर कोहका, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	दानपत्र	कोहका, वार्ड क्र. 09, कोहका पुरानी बस्ती,(आर्यनगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. 370/2, रकबा–2610 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2	"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, प्रोपराईटर–श्री अजय चौहान, आ. स्व. विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी–राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	सृष्टि खोबरागढ़े आ. श्री मिलीन्द कुमार खोबरागढ़े एवं श्रीमती कीर्ति खोबरागढ़े ध.प. श्री मिलीन्द कुमार खोबरागढ़े, निवासी–क्वाटर नं. 19/बी, स्ट्रीट नं. 18, सेक्टर–02, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट–चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 17, ब्लाक–"E6", तृतीय तल, 501.99 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
3	श्री मनोज कोठारी आ. श्री प्रताप कोठारी, निवासी– म.न. 18, सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजराती कॉलोनी, टिम्बर भवन के सामने धमतरी, तह. व जिला–धमतरी, (छ.ग.)	श्रीमती रोहिणी सिंह ध.प. श्री अमरेश कुमार सिंह, निवासी–क्वा. नं. 8/डी, सड़क–क्रास स्ट्रीट–03, सेक्टर–6, भिलाई नगर, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	आमदी नगर हुडको भिलाई, भूखण्ड क्रमांक HIG-91 हुडको, वार्ड नं 70 शहीद कौशल यादव नगर उत्तर में हुडको आवासीय योजना अंतर्गत भिलाई, खसरा नं. 1/2 एवं 2/2, रकबा–330 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
4	श्री ए. आर. पाटिल, आ0 श्री बाबूराव पाटिल, निवासी– सी–113, सड़क–16, स्मृतिनगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	आशीष पाटिल पिता स्व. अनंत राव पाटिल, आभा समीर जाधव पिता स्व. अनंत राव पाटिल निवासी–स्मृतिनगर, जुनवानी, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं. 02, जुनवानी, सी–143, व्यवसायिकमार्केट एरिया, स्मृतिनगर भिलाई, खसरा नं. 434/79, रकबा–0.0100 हे., भवन निर्मित।
5	श्री ए. आर. पाटिल, आ0 श्री बाबूराव पाटिल, निवासी– सी–113, सड़क–16, स्मृतिनगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	आशीष पाटिल पिता स्व. अनंत राव पाटिल, आभा समीर जाधव पिता स्व. अनंत राव पाटिल निवासी–स्मृतिनगर, जुनवानी, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं. 02, सी–113/16, स्मृतिनगर भिलाई, खसरा नं. 420/85, रकबा–0.0030 हे. ,आवासीय भवन निर्मित।
6	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के तरफ से श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी–राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री हेमंत कुमार श्रीवास्तव, आ. श्री राजेश्वर प्रसाद, निवासी–एम.आई.जी.–I–2883, एचबी कॉलोनी, आई.ई. भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड क्र. 01, जुनवानी, चौहान्स पार्क व्यू, भिलाई, फ्लैट नं. 28, तृतीय तल, 1099.97 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
7	एम.डी. तिवारी आ. दुबलाल तिवारी, निवासी–स्मृतिनगर, नेहरूनगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	1. राकेश दत्त तिवारी आ. स्व. एम.डी. तिवारी, 2. रूपेश दत्त तिवारी आ. स्व. एम.डी. तिवारी, 3. अभिजीत कुमार तिवारी आ. स्व. योगेश दत्त तिवारी, 4. नीरज पाठक आ. महेन्द्र कुमार पाठक, 5. पंकज पाठक आ. महेन्द्र कुमार पाठक, 6 शिशिर पाठक आ. महेन्द्र कुमार पाठक, निवासी–स्मृतिनगर, नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं.2, सी–221, स्ट्रीट–19, खसरा नं. 434/133/ब, रकबा–0.010 हे., आवासीय भवन निर्मित।
8	राजू सिंह आ. राम नरेश सिंह, निवासी–मकान नं. 129, आकाश किराना स्टोर्स, इंदिरा नगर, वार्ड नं. 05, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती रूपा शर्मा पति अमित कुमार शर्मा, निवासी–मकान नं. 1305/के, कुरूद वार्ड नं.–14, कैलाश नगर, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	गुरुघासी दास नगर आवासीय वार्ड नं. 27(गुरू घासीदास नगर आवासीय भूखण्ड/भवन अन्दर भाग), भिलाई, भूखण्ड क्र. 30, ब्लाक क्र. 24, क्षेत्रफल–45 वर्गमीटर, आवासीय रिक्त भूमि।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बाबा की बारात से पहले हुई संगीत संध्या, मलंग बाबा की प्रस्तुति पर झूमे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि के मौके पर भोले बाबा की बारात 18 फ़रवरी को निकलेगी। उससे पहले गुरुवार को अग्रसेन भवन खुर्सीपार में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह व पूरी टीम ने इस आयोजन को भव्य बना दिया। संगीत संध्या में हरियाणा के सिरसा के रामू राजस्थानी (मलंग पागल बाबा) की विशेष प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में नगरनिगम भिलाई के स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के भक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए।

खास - खबर

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर आयुक्त ने किया शिवनाथ नदी तट का निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अल सुबह अधिकारियों के साथ महाशिवरात्रि की तैयारी को लेकर शिवनाथ नदी स्थित महमरा घाट का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देश में कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवनाथ तट पर हर्षोल्लास के साथ 18 फ़रवरी को भव्य शिवनाथ महोत्सव मंडई मेला का आयोजन एवम महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा।विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल की मंशा के अनुरूप शिवनाथ तट पर कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने शिवनाथ तट पर श्रद्धालुओं की आस्था के तहत् बर्फका शिव लिंग स्थापित किया जावेगा जिसकी तैयारी के लिए निर्देश दिए गए है। महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर आयोजित महोत्सव मंडई मेला सुबह 5 बजे दुर्ग शहर की प्राणदायिनी नदी शिवनाथ की महाआरती होगी।फुटकर दुकानदारों के लिए स्टाल बनेगा। आयुक्त ने शिवनाथ तट पर महाशिवरात्रि पर्व के दौरान शहर की आम जनता को बेहतर सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से पर्व मेला का स्वरूप देने नदी मार्ग में छोटे दुकानदारों के लिए स्टाल बनाने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था करने कहा है 7 शिवनाथ तट पर महिला और पुरुष के हिसाब से चेंजिंग रूम बनाया जाएगा।

वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

भिलाई। इस्पात भवन स्थित वित्त एवं लेखा विभाग के सभागार में विभाग प्रमुख व कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) देबेन्द्र नाथ करन की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय राजभाषा समन्वय अधिकारी श्रीमती स्मिता जैन ने विभागीय राजभाषा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विभाग में अधिकाधिक कार्य हिंदी में किया जा रहा है तथा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन हेतु युवा अधिकारियों की टीम बनाकर सचेतक समूह का गठन किया गया है, जो हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहन की दिशा में सतत सक्रिय है। विभाग प्रमुख व कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा ने भिलाई इस्पात संयंत्र की गृह पत्रिका भिलाई भाषा भारती तथा नराकास की गृह पत्रिका 'महानदी' में प्रकाशित वित्त विभाग में कार्यरत कार्मिकों द्वारा स्वरचित रचनाओं का उल्लेख करते हुए रचनाकारों द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उनके योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही है

सभी ग्रामीण शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं-ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत ग्राम पंचायत अंडा में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा में शामिल हुऐ मंत्री ताम्रध्वज साहू इस अवसर पर कहा की प्रदेश कांग्रेस सरकार के काम काज और रीति नीति को लेकर जबरदस्त उत्साह है। केंद्र सरकार की महंगाई बेरोजगार पैदा करने वाली नीतियों से लोग त्रस्त है। भारत जोड़ो पदयात्रा की तरह राहुल गांधी की हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा को लेकर भी जनता में जबरदस्त उत्साह है।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री जितेंद्र साहू , नंद कुमार सेन अध्यक्ष केश शिल्प बोर्ड छ. ग. शासन, जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी रिवेंद्र यादव, प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति कुथरेल शिवनारायण दिल्लीवार, रिवेंद्र यादव, तारकेश्वर चंद्राकर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ. जे.डी. चेलक, जनपद सदस्य मनीष चंद्राकार ,प्रवीण चंद्राकार, मुरली सिन्हा, जिला कांग्रेस सचिव चांद खान, पुनीत चंद्राकर, दिग्विजय सिन्हा, पप्पू साहू, जमोहंत साहू,पुनीत चंद्राकर, जगदीश दीपक साहू, दिलीप साहू सरपंच मंचादूर, मयंक चंद्राकार, कमलजीत चंद्राकर, अभ्या साहू, कृष्णा धीवर, संजू सिन्हा, शत्रुधन साहु, शोहन जोशी, प्रियांशु नेताम, पूष्णा मारकडे, रूखमणी ठाकुर सेतु जोशी, ढीहार, आलौदीन सहित सरपंच, गौठान अध्यक्ष, राजीव युवा मितान क्लब के सभी पदाधिकारी गण, स्कूलों के विधायक प्रतिनिधि गण सहकारिता प्रकोष्ठ, जोन, सेक्टर सहित दुर्गग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

उद्यानों का पार्षद करेंगे सर्वे

जर्जर गार्डन को संवारा जायेगा, सलाहकार समिति की बैठक में फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। निगम क्षेत्र के खस्ता हाल गार्डनों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है। जर-जर उद्यानों को चिन्हित करने उद्यान विभाग के सलाहकार समिति में शामिल पार्षद सर्वे करेंगे। उक्त निर्णय उद्यान विभाग प्रभारी परमेश्वर कुमार की अध्यक्षता वाली सलाहकार समिति ने ली है।

नगर पालिक निगम रिसाली के महापौर परिषद के सदस्य परमेश्वर कुमार ने गुरुवार को उद्यान विभाग की बैठक ली। इस दौरान सलाहकार समिति के सदस्यों ने एक मत होकर उजड़े हुए उद्यानों को संवारने प्रस्ताव पारित कर एम आई सी में भेजने निर्णय लिया। विभाग प्रमुख ने पार्षद सदस्यों से कहा कि वे टीम बनाकर पहले सर्वे करे। ताकि स्थिति को देखने के बाद उसी आधार पर कार्य योजना बनाई जा सके। बैठक में महापौर परिषद के सद्स्य सनीर साहू, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, एवं पार्षद मो. जाहिर अब्बास, संजू नेताम, ममता यादव, रेखा देवी, विधि यादव व मनीष यादव आदि उपस्थित थे।

बनेगा समूह : सलाहकार समिति ने निर्णय लिया कि सभी उद्यानों की देखरेख अच्छे से हो। उद्यानों के उचित रख रखाव के लिए 4 उद्यानो का एक समूह बनाया जाए।

उद्यानों में लगेगा सीसी टीवी कैमरा: रिसाली निगम क्षेत्रांतर्गत स्थित शासकीय जमीन उद्यान के लिए तलाश की जाएगी। चिन्हित जमीन पर नए उद्यान बनाए जाएंगे। साथ ही असमाजिक तत्वों से सुरक्षा हेतु सभी गार्डनों में सीसी टीवी कैमरा लगाये जाने का निर्णय लिया।

उपार्जन केंद्रों से 99 प्रतिशत हुआ धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का उठाव उपार्जन केंद्रों से तेजी के साथ किया जा रहा हैं। जिले में स्थित 98 उपार्जन केंद्रों से 99.63 प्रतिशत धान का उठाव किया जा चुका है। किसानों से खरीदे गए 4 लाख 31 हजार 318 मीट्रिक टन धान में से 4 लाख 29 हजार 703 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका हैं।

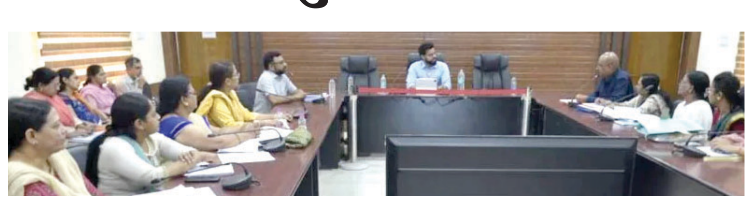

उपार्जन केंद्रों में केवल 1 हजार 616 मीट्रिक टन धान उठाव के लिए शेष है। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिलरों को अधिक संख्या में धान का उठाव तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएमओ ने बताया कि धान उपार्जन केंद्रों में धान जाम की स्थिति नहीं हैं। समय सीमा में केंद्रों से धान का उठाव कर लिया जाएगा। जिले में 1 लाख 4 हजार 967 किसानों ने पंजीयन कराया था जिसमें से 1 लाख 1 हजार 607 किसानों धान बेचा।

संग्रहण केंद्रों में धान प्राप्ति की प्रगति

अन्य जिलों से भण्डारण का लक्ष्य 45 हजार रखा गया है। जिनमें से 10799 को परिवहन का आदेश दिया गया है। 10723 केंद्रों में धान का संग्रहण किया गया है। 2574 का डीओ जारी किया गया है। वर्तमान में धान का उठाव नहीं किया गया है, 10723 उठाव हेतु शेष है।

जिले के उपार्जन केंद्रों में अन्य जिलों के मिलरों द्वारा उठाव

धान उठाव हेतु 27582 उपार्जन केंद्रों को डीओ जारी किया गया है। सभी केंद्रों के द्वारा धान उठाव कर लिया गया है। वर्तमान में शेष नहीं है। अन्य जिलों को मिलरों को धान उठाव हेतु 320520 को को डीओ जारी किया गया है। जिनमें से 316163 मिलरों के द्वारा धान का उठाव कर लिया गया है तथा 4357 मिलरों के द्वारा धान का उठाव नहीं किया गया है। 4 लाख 99 हजार 8 मीट्रिक टन चावल का लक्ष्य रखा गया है, 7 लाख 42 हजार 89 मीट्रिक टन धान का लक्ष्य रखा गया है। 7 लाख 26 हजार 823 को डीओ जारी किया गया है, जिनमें से 7 लाख 18 हजार 283 मीट्रिक टन चावल का उठाव किया गया है। धान उठाव अनुसार अनुपातिक चावल 4 लाख 86 हजार 984 मीट्रिक टन चावल, जमा चावल 2 लाख 32 हजार 290 मीट्रिक टन, अनुपातिक चावल अनुसार जमा करने योग्य अनुसार शेष 2 लाख चौवन हजार 694 मीट्रिक टन टन जमा हुए।

अवैध प्लाटिंग पर भिलाई निगम की बड़ी कार्रवाई

दो एकड़ जमीन पर हो रहा था कब्जा, निगम ने कराया खाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अवैध प्लाटिंग को लेकर एक बार फिर भिलाई निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल जाने वाले रास्ते पर लगभग 2 एकड़ भूखंड पर अवैध प्लाटिंग की नियत से पोल लगाए गए थे, मुरूम व गिट्टी से मार्ग संरचना तैयार किया जा रहा था। इसके अलावा प्राकृतिक नाला जो गुजरी हुई है उसमें पाइप डालकर डाइवर्ट करने का प्रयास भी अवैध प्लाटिंग करने वालों के द्वारा किया जा रहा था। इसकी सूचना निगम को मिली निगम के अधिकारियों ने अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए चार डंपर मुरूम, एक डंपर गिट्टी को जब्त किया। इसके साथ ही प्राकृतिक रूप से गुजरे हुए नाले में डायवर्ट के लिए डाले गए पाइप को हटाया और मूल स्वरूप में तब्दील किया। अवैध प्लाटिंग के लिए लगाए गए पोल को भी हटाया गया। बता दें कि कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इसी कड़ी में अवैध प्लाटिंग को लेकर कार्रवाई की गई। वैशाली नगर की जोन आयुक्त येशा लहरें ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध प्लाटिंग पर कचांदूर जाने वाले मार्ग पर खसरा नंबर 174 की लगभग 2 एकड़ जमीन पर हो रहे अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई है तथा बंटाकन की जानकारी तहसील कार्यालय से मिलने पर इस मामले में एफआईआर भी दर्ज कराया जाएगा।

एक और उपलब्धि: पहली बार मैक्सिलो फेशियल सर्जरी जिला अस्पताल में, जबड़ा खुल नहीं रहा था तो वेंटीलेटर से दी गई सांस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिन मामलों में जबड़े नहीं खुलते, उन मामलों में सर्जरी बेहद कठिन हो जाती है और इसे सामान्यत: प्लास्टिक सर्जन ही करते हैं। आधुनिक टेक्नालाजी और विशेषज्ञ डाक्टरों की वजह से जिला अस्पताल में यह बड़ी उपलब्धि संभव हो पाई है। पहली बार जिला अस्पताल में दो फेशियल सर्जरी हुई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डा. बसंत चौरसिया ने बताया कि पहला मामला दुर्ग के एक मरीज अजय तिवारी से संबंधित था। गिरने से उनकी जबड़े के ऊपर की हड्डी के साथ ही कंधे की हड्डी में भी फ्रैक्चर हुआ। इस तरह का फ्रैक्चर हजार में से एक होता है और दुर्लभ है। सर्जरी में बड़ी दिक्कत यह थी कि इनका जबड़ा नहीं खुल रहा था। निर्णय लिया गया कि इन्हें बेहोश किया जाए और वेंटीलेटर के माध्यम से साँस दी जाए। मैक्सिलो फेशियल सर्जन डा. कामिनी डड़सेना ने आपरेशन आरंभ किया और डा. चौरसिया ने एनेस्थीसिया दिया और मरीज की स्थिति की मानिटरिंग की।

डॉ. चौरसिया ने बताया कि फाइबर आप्टिक ब्रोंकोस्कोप को स्टैंड बाय रखा गया। इसकी सहायता से मानिटरिंग आसान हुई और जटिल सर्जरी पूरी करने में मदद मिली। आज मैक्सिलो फेशियल सर्जरी का एक और केस आया इसमें छावनी निवासी जगदीप का जबड़ा टूट गया था। इसके नाक में ट्यूब डाला गया और फिर वेंटीलेटर के माध्यम से साँस दी गई। इस तरह से यह दोनों जटिल सर्जरी पूरी हुई। दोनों ही मरीजों को एयर वे सिक्योर कर यह सर्जरी की गई। दोनों ही मामलों में डा. अखिलेश यादव ने हड्डी का आपरेशन कर फिक्स किया। डा. शिवांशी और डा. मारिया ने आपरेशन में सहयोग दिया। साथ ही स्टाफ नर्स शिबेन, मयूर, रमेश और शिनी ने भी अहम भूमिका निभाई।

सिविल सर्जन डा. वायके शर्मा ने इसे अस्पताल की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि जिला अस्पताल में जिस स्केल की सर्जरी हो रही है उससे पता लगता है कि हमारे चिकित्सकों की विशेषज्ञता से आम जनता को पूरा लाभ मिल रहा है। सर्जन और उनका स्टाफ पूरी तन्मयता से जटिल सर्जरी भी कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा अस्पताल की अधोसंरचना को बेहतर करने की दिशा में जो काम किया गया है उसका अच्छा नतीजा देखने में आ रहा है। उल्लेखनीय है कि मैक्सिलो फेशियल सर्जरी की अमूमन लागत डेढ़ लाख से दो लाख रुपए तक होती है और स्टेट कैपिटल तथा महानगरों में ही इसकी सुविधा उपलब्ध होती है।

सीएमएचओ डा. जेपी मेश्राम एवं जीवनदीप समिति के सदस्य दिलीप ठाकुर एवं अन्य सदस्यों ने मेडिकल स्टाफ को इसके लिए बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि कोविड के दौर में फाइबर आप्टिक ब्रोंकोस्कोप जैसे अनेक उपकरणों की खरीदी की गई जिनकी वजह से जिला अस्पताल में अधोसंरचना स्थिति बहुत बेहतर हुई है और लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

लोगों की मिटेगी प्यास, जीव दया ग्रुप ने चलित प्याऊ घर का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीजिनमणिप्रभ सूरिश्वर जी म सा, आचार्य श्री जिन पीयूष सागरसूरिश्वर जी म सा, आचार्य श्री जिन पूर्णानंद सागर सूरिश्वर जी म सा सहित सभी संत एवं साध्वी जी म: सा: के सानिध्य में श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ, श्री सुविहित प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के सहयोग से जीव दया ग्रूप के सदस्यों द्वारा प्रतिष्ठा स्थल अयोध्या नगरी अमर हाइट्स गंजपारा से चलित प्याऊ घर का भव्य शुभारंभ प्रतिष्ठा समिति के संयोजक नरेंद्र (बबला) चोपड़ा ने फ़ीता काट कर ,बाजे गाजे के साथ किया गया ग्रुप की सदस्य पायल पारख और श्रुति लुनिया ने बताया की शहर में घूम घूम कर ये रिक्शा पानी पिलाने का कार्य करेगा।

कुछ दिनो में और भी चलित प्याऊ घर की संख्या बढ़ाई जाएगी आशीष बोहरा, राहुल कोचर, अमित बाफना, मयंक लुनिया, प्रियंक बुरड, विनय ओस्तवाल, अर्पित लोढ़ा, मयंक बोथरा, मिहिर कोचर ,योगेश कोचर, गगन जैन, अर्चना बोहरा, जागृति लोढ़ा, हेमलता बुरड, तिरुमला कटारिया, सहित सभी सकल जैन समाज मौजूद रहे। गर्मी के दिनों में सूरज की तपन से मनुष्य ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों को भी राहत की जरूरत होती है। शहर जीवदया ग्रुप के द्वारा सूरज की तपन बढ़ते ही पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने की सार्थक पहल की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950